RNI NO. PUNBIL/2014/59416 UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गाने के हिंदी वर्जन की अश्लीलता का नहीं था अंदाजाः नोरा फतेही

पेज 07

VOL: 03 | ISSUE 58 | MONDAY DATE 23-03-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

संक्षिप्त खबरें

फरसा वाले बाबा की मौत के बाद हाईवे जाम कर पुलिस पर फायरिंग-पथराव करने वाले 15 अभियुक्त गिरफ्तार

मथुरा, यूटर्न/ 22 मार्च। थाना छाता पुलिस ने

फ़ारसा वाले बाबाह चंद्रशेखर की दुर्घटना में मौत के बाद हुए उपद्रव में 15 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि 21 मार्च 2026 को सुबह 11:30 बजे कोसीकलां थाना क्षेत्र के आजनौख गौशाला निवासी चंद्रशेखर (उम्र करीब 58 वर्ष) की एनएच-19 पर दुर्घटना में दुखद मौत हो गई थी। मथुरा पुलिस ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पूरे मामले को लेकर एक प्रेस नोट जारी किया। पुलिस ने इसमें बताया कि मौत के बाद उनके समर्थकों ने शव को हाईवे पर रखकर एनएच-19 को जाम कर दिया, जिससे यातायात ठप हो गया। जाम के दौरान गोरक्षकों, प्रशासन और पुलिस पर जानलेवा हमला किया गया।

रान्या को एजेंट ने लगाया 2 करोड़ का चूना, घाटा पूरा करने अभिनेत्री बनी तस्कर

बेंगलुरु, यूटर्न/ 22 मार्च। एयरपोर्ट पर राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा गिरफ्तार की गई कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव को लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। जांच अधिकारियों के

मुताबिक बड़े पैमाने पर सोने की तस्करी के कारोबार में उतरने से पहले रान्या और उनके साथियों को एक युगांडा के एजेंट ने 2 करोड़ रुपए का चूना लगाया था। इसी ठगी के बाद अभिनेत्री ने घाटे की भरपाई के लिए तस्करी का रास्ता चुना। पिछले महीने दाखिल की गई चार्जशीट में डीआरआई ने बताया कि मार्च 2024 से मार्च 2025 के बीच रान्या राव और उनके सहयोगियों ने भारत में 127.28 किलोग्राम सोना तस्करी के जरिए पहुंचाया, जिसकी कीमत करीब 102.55 करोड़ रुपए है।

योगी सरकार की अभ्युदय योजना का मिला लाभ, यूपीएससी में प्रदेश की तीन बेटियों ने लहराया परचम

» **लखनऊ, यूटर्न/ 22 मार्च।**

उत्तर प्रदेश की बेटियां अब सिर्फ सपने नहीं देख रहीं, बल्कि उन्हें साकार भी कर रहीं हैं। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना इनके लिए ऐसे 'पंख' बनकर उभरी है, जिसके सहारे वे देश की सबसे कठिन मानी जाने वाली सिविल सेवा परीक्षा में सफलता का परचम लहरा रही हैं। संघ लोकसेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा 2025 में इस योजना का लाभ लेकर प्रदेश की तीन बेटियों ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। खास बात ये है कि इस योजना के जरिए अब तक ढाई सौ से अधिक बेटियां सफलता हासिल कर चुकी हैं और अधिकारी बनकर यूपी को दिशा दिखा रही हैं। यह उपलब्धि न केवल उनकी मेहनत का परिणाम है, बल्कि योगी सरकार की शिक्षा-केंद्रित योजनाओं की

प्रभावशीलता का भी प्रमाण है। 2021 में शुरू हुई मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना ने अब तक एक लाख से अधिक अभ्यर्थियों को जोड़कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का एक मजबूत मंच दिया है। खास बात यह है कि बेटियां इस योजना के जरिए महंगे कोचिंग संस्थानों के बिना भी बड़ी सफलता हासिल कर रही हैं। गाजियाबाद के प्रताप विहार की रहने वाली मानसी ने सिविल सेवा परीक्षा 2025 में 444वीं रैंक हासिल की। प्राइवेट जॉब करने वाले पिता समेत परिवार में पांच सदस्य हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद मानसी ने घर पर ही तैयारी की और अभ्युदय योजना के मार्गदर्शन से सफलता हासिल की। झांसी की अदिति सिंह ने 859वीं रैंक प्राप्त की। इंजीनियर पिता और शिक्षिका मां की बेटी अदिति ने सेल्फ स्टडी और ऑनलाइन माध्यम से तैयारी की।

देश की राजधानी को बनाएंगे चिकित्सा शिक्षा और शोध का राष्ट्रीय केंद्र : रेखा गुप्ता

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 मार्च।**

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को कहा कि राजधानी के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों के एकीकरण से न केवल स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा, बल्कि चिकित्सा शिक्षा को भी बड़ा लाभ मिलेगा और एमबीबीएस तथा पोस्ट ग्रेजुएट सीटों में उल्लेखनीय वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा।

दिल्ली सरकार गुरु तेग बहादुर अस्पताल (जीटीबी), दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (डीएससीआई) और राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल (आरजीएसएसएच) को एकीकृत कर एम्स मॉडल की तर्ज पर एक स्वायत्त संस्थान विकसित करने जा रही है। साथ ही, इंस्टीट्यूट ऑफ 'मन बिहेवियर एंड एलाइड साइंसेज (इहबास) को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान-2 (निमहंस-2) के रूप में विकसित करने की दिशा में भी पहल की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि इस परियोजना का एक प्रमुख उद्देश्य पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) सीटों में बड़े स्तर पर वृद्धि करना है ताकि अधिक से अधिक डॉक्टरों को विशेषज्ञ प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा सके और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को मजबूत किया जा सके। इसके तहत राजीव गांधी अस्पताल, दिल्ली कैंसर इंस्टीट्यूट और जीटीबी अस्पताल में चल रहे समान विषयों और विभागों को एकीकृत किया जाएगा। वर्तमान में कई विभाग अलग-अलग संस्थानों में संचालित हो रहे हैं, जिसके कारण उपलब्ध संसाधनों और मानवबल का पूर्ण उपयोग नहीं हो पा रहा है। इंटीग्रेशन के बाद इन सभी विभागों के फैकल्टी (एसिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोफेसर) को एक साथ जोड़कर उनकी क्षमता के अनुरूप पीजी सीटों में वृद्धि की जाएगी। मेडिकल नियमों के अनुसार, एक एसोसिएट प्रोफेसर दो पीजी सीट और एक प्रोफेसर तीन पीजी सीट सपोर्ट कर सकता है इसलिए फैकल्टी को एकीकृत करने से सीटों में स्वतः वृद्धि होगी।

विभाक के अनुसार, रेडियोलॉजी, पैथोलॉजी और एनेस्थीसिया जैसे विषयों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की संभावना है। रेडियोलॉजी में जहां पहले सीटों की संख्या सीमित या शून्य थी, वहीं एकीकरण के बाद यह संख्या बढ़कर लगभग 22 तक पहुंच सकती है। वहीं पैथोलॉजी में सीटों की संख्या करीब 26 तक और एनेस्थीसिया में लगभग 48 तक बढ़ने का अनुमान है। यह वृद्धि केवल विभागों को जोड़ने से ही नहीं, बल्कि खाली पड़े पदों को भरने से भी संभव होगी, क्योंकि अभी कई अस्पतालों में फैकल्टी की नियुक्ति पूरी नहीं है।

इसके अतिरिक्त, कुछ विशेष विभाग ऐसे भी हैं जहां वर्तमान में पीजी सीटें उपलब्ध नहीं हैं, जैसे दिल्ली कैंसर इंस्टीट्यूट और राजीव गांधी अस्पताल के कुछ विशिष्ट विभाग। एकीकरण के बाद इन विभागों में नए डॉक्टरों की नियुक्ति कर पीजी कोर्स शुरू किए जाएंगे। दिल्ली कैंसर इंस्टीट्यूट में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, न्यूक्लियर मेडिसिन, कैंसर रिसर्च और आईसीयू जैसे विभागों में लगभग 26 नई पीजी सीटें जोड़ी जा सकती हैं। वहीं राजीव गांधी अस्पताल में हृदय रोग और हृदय शल्य चिकित्सा (कार्डियक सर्जरी) जैसे विभागों में भी लगभग 14 नई सीटों की संभावना है।

धामी कैबिनेट के नए मंत्रियों को मिले विभाग, लिस्ट जारी

देहरादून, यूटर्न/ 22 मार्च। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंत्रिमंडल विस्तार के बाद मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा कर दिया है। मुख्यमंत्री ने यह कदम हाल ही में पांच नए मंत्रियों के शपथ ग्रहण के बाद उठाया है।

विभागों के बंटवारे के बाद मुख्यमंत्री ने कई महत्वपूर्ण विभाग अपने पास ही रखे हैं। मुख्यमंत्री अब तक 35 से ज्यादा विभागों का दायित्व संभाल रहे थे। उत्तराखंड शासन की तरफ से जारी सूची के अनुसार सीएम धामी ने सामान्य प्रशासन, गृह, कार्मिक, सतर्कता और नियुक्ति एवं जनसंपर्क जैसे प्रमुख विभाग अपने पास रखे हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा करते हुए उनको उनके दायित्व सौंप दिए हैं। माना जा रहा है कि विभागों का बंटवारा होने के बाद कार्यों में बेहतर समन्वय स्थापित हो सकेगा, जिससे विकास योजनाओं को तेजी से धरातल पर उतारने में मदद मिलेगी। दरअसल, मुख्यमंत्री धामी ने हाल ही में मंत्रिमंडल का विस्तार करते हुए विधायक खजान दास, मदन कौशिक, भरत सिंह चौधरी, प्रदीप बन्ना, और राम सिंह कैड़ा को मंत्री पद दिया है। क्योंकि मंत्रिमंडल में काफी लंबे समय से पांच पद रिक्त थे, जिसमें से दो पद पूर्व मंत्री राम दास के निधन और प्रेम चंद अग्रवाल के इस्तीफे के बाद खाली हुए थे। खाली पदों की वजह से इन विभागों का दायित्व भी मुख्यमंत्री ही संभाल रहे थे।

पश्चिम एशिया संकट के बीच मोदी की उच्चस्तरीय बैठक

नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पेट्रोलियम, कच्चे तेल, गैस, बिजली और उर्वरक क्षेत्रों की स्थिति की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के बीच निर्बाध आपूर्ति और स्थिर वितरण सुनिश्चित करने को लेकर थी। बैठक का मुख्य फोकस निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने, स्थिर लॉजिस्टिक्स सुनिश्चित करने और पूरे देश में वितरण प्रणालियों को सुव्यवस्थित करने पर था, ताकि आवश्यक सेवाओं में किसी भी तरह की रुकावट को रोका जा सके। इस दौरान अधिकारियों ने प्रधानमंत्री को ईंधन की उपलब्धता की वर्तमान स्थिति और भारत की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में जानकारी दी।

टेक्नोलॉजी से भारत वैश्विक चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करेगा : धर्मेंद्र प्रधान

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 मार्च।**

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को कहा कि भारत न केवल अपनी आवश्यकताओं को पूरा करेगा, बल्कि वैश्विक चुनौतियों का भी समाधान प्रस्तुत करेगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम की महंगी तकनीक ग्लोबल साउथ के लिए हमेशा सुलभ नहीं हो सकती, जबकि भारत की तकनीक दुनिया को जोड़ने और सशक्त बनाने की क्षमता रखती है। विशेषकर ग्लोबल साउथ, उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए भारत एक महत्वपूर्ण उत्तर बनकर उभरेगा। वह आईआईटी बॉम्बे में आयोजित भारत इनोवेट्स डीप टेक प्री-समिट 2026 में स्टार्टअप्स और नवोन्मेषकों के बीच बोल रहे थे। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने बताया कि ग्लोबल इनोवेशन रैंकिंग में भारत आज 38वें स्थान पर है, जबकि 2015 में यह 81वां स्थान था। यूनिकॉर्न कंपनियों के मामले में भारत 125 यूनिकॉर्न के साथ विश्व में तीसरे स्थान पर है।

स्टैनफोर्ड एआई इंडेक्स रिपोर्ट 2025 के अनुसार, एआई प्रतिभा और इंफ्रास्ट्रक्चर में भी भारत तीसरे स्थान पर है। उन्होंने बताया कि पिछले 2016 से 2026 के बीच एआई क्षेत्र में भारत की प्रगति तीन गुना बढ़ी है, और उसका प्रभाव हमें इस कॉन्क्लेव में स्पष्ट रूप से देखने को मिला है। केंद्रीय मंत्री ने यहां ऊर्जा, जलवायु एवं स्थिरता, सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष एवं रक्षा, स्वास्थ्य एवं मेडटेक, उन्नत संगणना, जैव प्रौद्योगिकी, गतिशीलता एवं स्मार्ट सिटीज तथा इंडस्ट्री 4.0 जैसे विविध क्षेत्रों के नवोन्मेषकों से संवाद किया।

मोदी नेतृत्व की नई मिसाल, जनता से सीधा जुड़ाव : प्रवीण खंडेलवाल

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 मार्च।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रमुख बनने पर भारतीय जनता पार्टी में उत्साह का माहौल है। इस उपलब्धि को लेकर भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने इसे हर भारतीय के लिए गर्व का विषय बताया।

उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि यह अवसर भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए किसी विशेष उत्सव से कम नहीं है। उनके अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने अपने निरंतर और प्रभावी शासन के माध्यम से नेतृत्व के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जिसकी शुरुआत उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में की थी और अब देश स्तर पर इसे आगे बढ़ाया है। प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश और दुनिया का विश्वास भारत पर मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी जो भी संकल्प लेते हैं, उसे पूरा करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करते हैं।

यही कारण है कि उनकी लोकप्रियता आज वैश्विक स्तर पर भी देखने को मिलती है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि प्रधानमंत्री का जनता के साथ सीधा संवाद उनकी सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक है, जो उन्हें अन्य नेताओं से अलग बनाता है। खंडेलवाल ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का राजनीतिक और प्रशासनिक अनुभव जमीनी स्तर से जुड़ा हुआ है ।

संक्षिप्त खबरें

धारदार हथियार से महिला की हत्या, शव नाले में फेंका

गाजियाबाद, यूटर्न/ 22 मार्च। मधुबन-बापूधाम क्षेत्र में एक महिला की धारदार हथियार से हत्या कर शव नाले में फेंक दिया गया। शनिवार को पुलिस मौके पर पहुंची और शव की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम हाउस में रखवाया गया है। पहचान के लिए आसपास के जिलों की पुलिस को फोटो और हुलिया भेजा गया है। मामला मैनापुर स्थित जीडीए की अविकसित कॉलोनी का है, जहां प्लॉटों की बिक्री चल रही है। इन्हीं प्लॉटों के सामने बने नाले में स्थानीय लोगों ने महिला का शव देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस के अनुसार, महिला की उम्र करीब 25 वर्ष प्रतीत हो रही है। उसके गले पर धारदार हथियार से कई वार के निशान हैं। महिला ने गले में मंगलसूत्र और पैरों में बिछुए पहन रखे थे। साड़ी व अन्य कपड़े अस्त-व्यस्त मिले हैं। प्रारंभिक जांच में दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जताई जा रही है। माना जा रहा है कि महिला ने आरोपियों का विरोध किया होगा, जिसके बाद उसकी हत्या कर शुक्रवार रात शव को नाले में फेंक दिया गया। नाले में पानी नहीं था। एसीपी कविनगर सूर्यबली मौर्य ने बताया कि शव की पहचान कराने के प्रयास जारी हैं।

जनरेटर में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग

फरीदाबाद, यूटर्न/ 22 मार्च। प्याली चौक के पास शनिवार शाम एक इमारत की छत पर रखे वोडाफोन सेंटर के जनरेटर में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। आग लगते ही छत से धुआं उठने लगा, जिसे देखकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर मौजूद कर्मचारियों को इसकी सूचना दी। इसके बाद कर्मचारियों ने आग बुझाने का प्रयास शुरू किया, लेकिन आग जनरेटर के पास रखे प्लास्टिक के सामान में भी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और करीब 20 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और न ही किसी बड़े नुकसान की खबर है।

दिल्ली पुलिस ने की हौजखास से चोरी 6 किलो चांदी और कीमती धातुएं बरामद, चार आरोपी गिरफ्तार

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 मार्च।**

दिल्ली के प्रसाद नगर थाना पुलिस ने ज्वेलरी चोरी के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से करीब 6.35 किलोग्राम चोरी की गई चांदी, तांबा और कांस्य बरामद किया गया। यह बरामदगी थाना हौज खास में दर्ज एक ई-एफआईआर से जुड़ी है।

पुलिस के अनुसार, क्षेत्र में बढ़ती चोरी की घटनाओं को रोकने और सक्रिय अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए विशेष गश्ती टीमों को तैनात किया गया था। इन टीमों को विशेष रूप से देर रात के दौरान सतर्क निगरानी रखने के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में शुक्रवार को प्रसाद नगर थाने की टीम, जिसमें एएसआई जोहरीलाल,

हेड कांस्टेबल विनीत, हेड कांस्टेबल लोकेश और कांस्टेबल शुभम शामिल थे, बापा नगर इलाके में गश्त कर रही थी। गश्त के दौरान जब टीम करोल बाग स्थित आर्य समाज रोड के पास सीपीडब्ल्यूडी खंडहर के नजदीक पहुंची, तो उन्हें दो बैग लेकर जा रहे चार संदिग्ध व्यक्ति नजर आए। पुलिस को देखते ही चारों ने भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने उनका पीछा किया और सभी को दबोच लिया। तलाशी लेने पर आरोपियों के पास से बड़ी मात्रा में चांदी, तांबा और कांस्य की वस्तुएं बरामद हुईं। इनमें आभूषण, बर्तन, सिक्के और धार्मिक वस्तुएं शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्होंने यह सामान हौज खास क्षेत्र से चोरी किया था। जांच में पता चला कि 18 मार्च को ही थाना हौज खास में चोरी का मामला दर्ज हुआ था, जिसके बाद से ये लोग दिल्ली के अलग-अलग इलाके में वेशभूषा बदलकर घूम रहे थे, जिससे इनको कोई पहचान न पाए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नसीम (25), शेख सरफराज (22), कादिर (20) और दिलशाद (25) के रूप में हुई है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, ये सभी आरोपी पहले भी कई चोरी के मामलों में शामिल रह चुके हैं और लंबे समय से आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय थे।

धोखाधड़ी के कई मामलों में वांटेड प्रॉपर्टी डीलर को दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 मार्च।**

दिल्ली के क्राइम ब्रांच, सेंट्रल रेंज के स्टाफ ने कई मामलों में वांछित आरोपी राहुल पासवान को गिरफ्तार किया है। मूलरूप से बिहार के लखीसराय निवासी राहुल को 3 फरवरी 2023 को लक्ष्मी नगर थाने में दर्ज मुकदमे में फरार घोषित किया गया था।

आरोपी को पकड़ने के लिए अभियान विशेष गुप्त सूचना प्राप्त होने के बाद शुरू किया गया। इंस्पेक्टर सुनील कुमार कलखंडे के नेतृत्व में और एसीपी/सीआर पंकज अरोड़ा की निगरानी में क्राइम ब्रांच की टीम अपराधी को गिरफ्तार करने के लिए गठित की गई। टीम ने आरोपी राहुल की गतिविधियों पर नजर रखी और उसे दिल्ली के कश्मीरी गेट पार्किंग क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया, जब वह शहर छोड़ने का प्रयास कर रहा था।

जांच में पता चला कि गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी पिछले एक साल से हरियाणा के फरीदाबाद में रह रहा था। आगे की जांच में उसके खिलाफ दर्ज कई अन्य संपत्ति निवेश धोखाधड़ी मामलों में उसकी भागीदारी उजागर हुई। वह लोगों को धोखाधड़ीपूर्ण संपत्ति निवेश योजनाओं के माध्यम से ठगता

था। राहुल पासवान स्वयं को प्रॉपर्टी डीलर बताकर खरीदारों और विक्रेताओं का विश्वास जीतता था।

इसके बाद वह स्थानीय लोगों को संपत्तियां या फ्लैट दिखाता और एडवांस पैसे लेकर फरार हो जाता है। इसके खिलाफ लक्ष्मी नगर थाने में तीन एफआईआर दर्ज हैं, जिसमें उसे फरार घोषित किया गया है। गुरुग्राम और फरीदाबाद में भी कई शिकायतें दर्ज हैं। आरोपी राहुल पासवान ग्रेजुएट है और अंग्रेजी अच्छी तरह बोलता है। पहले वह लक्ष्मी नगर क्षेत्र में प्रॉपर्टी डीलर के रूप में काम करता था। इसके बाद गुरुग्राम चला गया। कई लोगों को धोखा देने के बाद वह फरीदाबाद क्षेत्र में रहकर गिरफ्तारी से बच रहा था।

दिल्ली पुलिस ने कुछ ही घंटों में लूट का मामला सुलझाया, दो बदमाश गिरफ्तार

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 मार्च।**

पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार फेज-1 थाना पुलिस ने एक सराहनीय कार्रवाई करते हुए लूट के एक मामले को कुछ ही घंटों में सुलझा लिया। पुलिस ने इस मामले में दो आदतन अपराधियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से लूटा गया मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद किया है।

पुलिस के मुताबिक, यह घटना 19 मार्च की है जब मयूर विहार फेज-1 थाने में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। कॉल में बताया गया कि नाला रोड स्थित सीएनजी पंप के पास एक युवती से मोबाइल फोन छीन लिया गया है। पीड़िता काजल ने शिकायत में बताया कि वह ड्यूटी के लिए ई-रिक्शा लेने जा रही थीं, तभी एक आरोपी ने

पीछे से आकर उनका मोबाइल फोन छीन लिया जबकि दूसरा आरोपी उसकी मदद कर रहा था। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। बाद में पीड़िता ने बताया कि एक आरोपी ने उसे चाकू दिखाकर धमकाया भी था.

शहीद दिवस पर दिल्ली विधानसभा सचिवालय भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को देगा श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 मार्च। दिल्ली विधानसभा सचिवालय सोमवार को शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को उनकी शहादत के दिन श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित करेगा। इस अवसर पर अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, मंत्रि परिषद के सदस्यों, विधायकों और प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानियों के साथ शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। विधानसभा परिसर में होने वाला यह कार्यक्रम उसी दिन बाद में आठवीं विधानसभा के चौथे सत्र (बजट सत्र) के दूसरे भाग के प्रारंभ के साथ होगा। इससे पहले, अध्यक्ष ने 23 से 25 मार्च तक होने वाले बजट सत्र से पहले विधानसभा भवन में की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा की। विजेंद्र गुप्ता ने कहा, ह्लआने वाला बजट सत्र बेहतरीन संसदीय परंपराओं का प्रतिबिंब होना चाहिए, जहां बहस जानकारीपूर्ण हो, आचरण संयमित हो और हर हस्तक्षेप सार्वजनिक उद्देश्य में सार्थक योगदान दे।

सोनीपत में अपहरण के बाद मुठभेड़, 2 को गोली लगी; पांच गिरफ्तार

» **चंडीगढ़, यूटर्न/ 22 मार्च।**

स्पेशल टास्क फोर्स (STF) ने शुक्रवार देर रात सोनीपत जिले के मुरथल इलाके में एक मुठभेड़ के बाद पांच बदमाशों को पकड़ लिया। दो बदमाशों को गोली लगी।

उन्होंने होली के दिन बहादुरगढ़ के बरानी फोर्ट पुरा गांव से एक बच्चे का अपहरण किया था और बच्चे को छोड़ने के बदले 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। यह बच्चा एक शिक्षण संस्थान के मालिक का पोता है।

4 मार्च को झज्जर जिले के बेरी पुलिस स्टेशन में अपहरण और फिरौती का मामला दर्ज किया गया था। STF और बहादुरगढ़ पुलिस इस मामले की जांच कर रही थीं।

यह मुठभेड़ आधी रात को यमुना के पास मेहंदीपुर गांव के पास हुई। उपलब्ध जानकारी के अनुसार,

बदमाशों ने होली के दिन झज्जर जिले के बरानी फोर्ट पुरा गांव में BDM नर्सिंग कॉलेज के मालिक सतबीर सिंह के आठ साल के पोते हुनरजीत का अपहरण कर लिया था और बच्चे को छोड़ने के लिए 5 करोड़ रुपये की मांग की थी। परिवार वालों ने पैसे जुटाए, उन्हें दिए और बच्चे को सुरक्षित घर ले आए।

इस बीच, STF की रोहतक यूनिट ने दो आरोपियों — बरानी फोर्ट पुरा के मनीष और कंसाला गांव के मोनू — को पकड़ा और उन्हें STF बहादुरगढ़ के हवाले कर दिया। STF ने एक और आरोपी — कंसाला गांव के गोविंद — को गिरफ्तार किया। जांच के दौरान, STF ने आरोपियों से 2.1 करोड़ रुपये बरामद किए।

आरोपियों से पूछताछ के दौरान, पुलिस को पांच और आरोपियों के बारे में सुराग मिले। STF के प्रभारी इंस्पेक्टर राकेश कुमार ने बताया कि शुक्रवार रात उन्हें मेहंदीपुर गांव में बदमाशों की मौजूदगी के बारे में एक गुप्त सूचना मिली थी।

इंस्पेक्टर राकेश कुमार के नेतृत्व में STF की टीम ने आरोपियों को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। जैसे ही टीम मौके पर पहुंची, बदमाशों ने गोली चला दी। एक गोली ASI विकास की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी और दूसरी गोली ASI धर्मवीर की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी।

जवाबी कार्रवाई में, पुलिस ने भी गोली चलाई और दो बदमाशों के पैरों में गोली लगी। इंस्पेक्टर राकेश ने बताया कि जिन बदमाशों को चोटें आई हैं, उनकी पहचान रोहतक ज़िले के कंसाला गांव के चित्रनंदन उर्फ मंजीत और विनी के रूप में हुई है। तीन अन्य आरोपी — रोहतक के मकडोली गांव के दीपांशु उर्फ छोटा और अशोक उर्फ शोकी, और भाली आनंदपुर का रोहित — को भी मौके से गिरफ़्तार कर लिया गया है।

दिल्ली पुलिस ने दो वाहन चोर और चोरी का वाहन खरीदने वाले को किया गिरफ्तार

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 मार्च।**

दिल्ली के चांदनी चौक इलाके में कोतवाली की टीम ने एक सफल अभियान के तहत दो वाहन चोरों और एक चोरी की मोटरसाइकिल खरीदने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया। उनके पास से पुलिस ने दो चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है।

पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि 14 मार्च को शिकायतकर्ता फिरोज त्यागी ने वाहन चोरी का मुकदमा दर्ज कराया था। फिरोज त्यागी ने तहरीर में बताया था कि उन्होंने अपनी हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (नंबर यूपी 17 वी 3312) को दोपहर 1:30 बजे चांदनी चौक के पास पार्क किया था। करीब आधे घंटे बाद लौटने पर उन्होंने पाया कि उनकी मोटरसाइकिल चोरी हो चुकी थी। शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने एफआईआर दर्जकर जांच शुरू की थी। जांच की जिम्मेदारी इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह को सौंपी गई। उनकी टीम में हेड कांस्टेबल दलचंद, नंद किशोर, पूरन, अमित और विपुल शामिल थे। टीम ने घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज की जांच की और दो संदिग्धों की पहचान की। मुखबिर और तकनीकी इनपुट के माध्यम से प्रिंस गली, दंगल मैदान पार्किंग के पीछे चांदनी चौक के पास फुरकान (29) और रिहान (22) को गिरफ्तार किया था।

कौशिक क्लासेस का भव्य ओरिएंटेशन एवं करियर काउंसलिंग कार्यक्रम, विद्यार्थियों को मिली नई दिशा और बड़े ऐलान

» अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 22 मार्च। धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में कौशिक क्लासेस द्वारा आयोजित ओरिएंटेशन कम करियर काउंसलिंग कार्यक्रम उत्साह, प्रेरणा और उपयोगी मार्गदर्शन के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस प्रभावशाली कार्यक्रम का आयोजन संस्थापक विवेक कौशिक के नेतृत्व में किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को सही दिशा देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) कुरुक्षेत्र श्री विनोद कौशिक एवं उप जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) श्रीमती इंदु कौशिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके पश्चात संस्थापक विवेक कौशिक एवं संस्थापिका पूजा शर्मा ने मुख्य अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

अपने संबोधन में डीईओ विनोद कौशिक ने कौशिक क्लासेस की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान विद्यार्थियों को बेहतरीन स्टडी मैटेरियल और मार्गदर्शन देकर उन्हें प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने के लिए तैयार कर रहा है। उन्होंने कोरियन शिक्षा प्रणाली का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां के विद्यार्थी चौथी कक्षा से ही सप्ताह में लगभग 40 अतिरिक्त कक्षाएं लेकर अपने ज्ञान को मजबूत करते हैं, इसलिए हमारे बच्चों को भी शुरू से ही मेहनत और अनुशासन अपनाना चाहिए।

मुख्यमंत्री विद्यालय सौंदर्यीकरण पुरस्कार में पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बालक (हिसार) प्रथम स्थान पर रहा

» हिसार, यूटर्न/ 22 मार्च।

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बालक ब्लॉक बरवाला जिला हिसार ने जिला स्तर पर आयोजित मुख्यमंत्री विद्यालय सौंदर्यीकरण पुरस्कार में प्रथम स्थान प्राप्त कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि के लिए विद्यालय को एक लाख रुपए की नकद राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया है। विद्यालय के प्राचार्य रमेश यादव ने बताया कि यह पुरस्कार शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालयों में स्वच्छता, सौंदर्यीकरण, नवाचार एवं समग्र विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदान किया जाता है। इस वर्ष जिले के सभी 9 ब्लॉकों में से ब्लॉक स्तर पर विजेता रहे विद्यालयों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा हुई, जिनमें पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय

बालक ब्लॉक बरवाला जिला हिसार ने अपनी उत्कृष्ट व्यवस्थाओं और नवाचारों के बल पर प्रथम स्थान हासिल किया। कमेटी सदस्यों ने भवन एवं फर्नीचर रखरखाव, कार्यालय प्रयोगशाला, कम्प्यूटर लैब व पुस्तकालय व्यवस्था, रसोई घर पानी व सफाई व्यवस्था, मुख्य द्वार व चार दिवारी, खेल मैदान व खेल सामग्री का रखरखाव, पीने के पानी की स्वच्छता और उपलब्धता, जल निकासी, जल संरक्षण व्यवस्था, प्रांगण के बगीचे व पौधों की स्थित, विद्यार्थी अनुशासन व यूनिफॉर्म, मिड डे मिल पकाने व वितरण की व्यवस्था, विद्यालय के लेख व पुस्तकालयों की व्यवस्था, प्रार्थना सभा की नियमितताएं, बिजली उपकरण व अग्निशमन यंत्र का रखरखाव, विद्यालय भवन में राज्य व राष्ट्र के मानचित्र व राष्ट्रगान आदि अनमोल वचन का लेखन, शौचालय व सीवरेज व्यवस्था, कचरा निपटान आदि पहलुओं पर जांच की गई।

'बरवाला नगर परिषद में भ्रष्टाचार सुनवाई 24 मार्च'

» हरियाणा, यूटर्न/ 22 मार्च।

नगर परिषद बरवाला में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर एडवोकेट प्रतीक कथूरिया द्वारा की गई शिकायत अब एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच गई है। जिस मामले को लेकर शिकायत दर्ज करवाई गई थी, उसी पर अब विभागीय स्तर पर सुनवाई की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जिससे पूरे प्रकरण में पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर नई उम्मीद जगी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, एडवोकेट प्रतीक कथूरिया ने नगर परिषद बरवाला में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं से संबंधित शिकायत दर्ज करवाई थी। यह शिकायत हरियाणा शहरी स्थानीय निकाय विभाग, पंचकूला स्थित निदेशक के समक्ष अभियोजन स्वीकृति प्राप्त करने हेतु विधिवत रूप से प्रस्तुत की गई थी। उक्त शिकायत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 19 के अंतर्गत विचाराधीन है, जिसमें संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध अभियोजन की अनुमति मांगी गई है।

इसी क्रम में, विभागीय प्रक्रिया के तहत नगर परिषद बरवाला प्रशासन द्वारा 24 मार्च 2026 को प्रातः 10:00 बजे परिषद कार्यालय में निजी सुनवाई निर्धारित की गई है और शिकायतकर्ता को सभी आवश्यक दस्तावेजों सहित उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

इस पूरे घटनाक्रम में एक बड़ा सवाल उभर कर सामने आया है–

जिसके खिलाफ कार्रवाई प्रस्तावित है, क्या वही विभाग सुनवाई करेगा?

इस पहलू को लेकर कानूनी और प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। एडवोकेट प्रतीक कथूरिया का कहना है कि उनका उद्देश्य केवल सच्चाई को सामने लाना और प्रक्रिया को कानून के अनुसार आगे बढ़ाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे इस मामले को पूरी गंभीरता से आगे बढ़ा रहे हैं और न्याय सुनिश्चित कराने के लिए हर आवश्यक कानूनी कदम उठाएंगे।

यह पूरा प्रकरण अब क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है और इसे एक ऐसे उदाहरण के रूप में देखा जा रहा है, जहां एक जागरूक एडवोकेट की पहल ने प्रशासनिक व्यवस्था को सक्रिय होने पर मजबूर किया।

आमजन की निगाहें अब आगामी सुनवाई पर टिकी हुई हैं, जहां इस मामले में आगे की दिशा तय होगी और पारदर्शिता की इस लड़ाई का अगला चरण सामने आएगा।

गाजियाबाद में बड़ा जासूसी नेटवर्क का खुलासा, देश विरोधी गतिविधियों में शामिल 3 और आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद, यूटर्न/ 22 मार्च। गाजियाबाद से एक बेहद गंभीर और चिंताजनक मामला सामने आया है, जहां पुलिस ने देश विरोधी गतिविधियों और संवेदनशील सूचनाओं को विदेश भेजने वाले एक संगठित गिरोह का पदार्फाश किया है। इस मामले में अब तक कई आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि कुछ नाबालिगों को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस के अनुसार, थाना कौशाम्बी क्षेत्र में 14 मार्च को सूचना मिली थी कि भोवापुर इलाके में रहने वाले कुछ युवक संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त हैं। ये लोग रेलवे स्टेशन, सुरक्षा बलों के ठिकानों और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के वीडियो और फोटो बनाकर विदेश में बैठे लोगों को भेजते थे। साथ ही, पैसों का लालच देकर अन्य युवाओं को भी इस काम में शामिल किया जा रहा था। सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज किया और शुरूआती चरण में 5 पुरुष और 1 महिला को गिरफ्तार किया। उनके मोबाइल फोन की जांच में कई संवेदनशील स्थानों के वीडियो, फोटो और लोकेशन डाटा बरामद हुआ। मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। जांच के दौरान 17 मार्च से आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई, जिसके आधार पर 20 मार्च को 9 और आरोपियों को गिरफ्तार किया

गया, जिनमें 5 नाबालिग भी शामिल थे। इन नाबालिगों को बाद में किशोर न्याय गृह भेज दिया गया।

ताजा कार्रवाई में 22 मार्च को मुख्य आरोपी नौशाद अली उर्फ लालू को गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर एक महिला आरोपी मीरा और एक नाबालिग को भी पकड़ा गया। पूछताछ में सामने आया कि यह पूरा नेटवर्क सीमापार बैठे हैंडलर्स के इशारे पर काम कर रहा था।

M3M मामले में अगली सुनवाई 4 अप्रैल को; ₹450 करोड़ का ज़मीन विवाद और घर खरीदारों की शिकायतें कोर्ट में

» चंडीगढ़, यूटर्न/ 22 मार्च।

M3M इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशकों से जुड़ा मामला, जिसमें गुरुग्राम में कथित तौर पर 450 करोड़ की धोखाधड़ी वाली ज़मीन डील का आरोप है, अब एक बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है।

दिल्ली की एक अदालत ने M3M इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशकों से जुड़े एक मामले में अगली सुनवाई के लिए 4 अप्रैल की तारीख तय की है। यह मामला गुरुग्राम में कथित तौर पर 450 करोड़ की धोखाधड़ी वाली ज़मीन डील से जुड़ा है। यह मामला एक उपभोक्ता फोरम के सामने चल रही अलग कार्यवाही के साथ-साथ चल रहा है, जिसमें एक संबंधित हाउसिंग प्रोजेक्ट के घर खरीदारों ने शिकायतें दर्ज कराई हैं। 31 जनवरी को, तीस हज़ारी कोर्ट की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हर्षिता मिश्रा ने दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (EOW) द्वारा मार्च 2022 में दायर चार्जशीट का संज्ञान लिया। यह चार्जशीट एक रियल एस्टेट फर्म, MGF डेवलपमेंट्स लिमिटेड की शिकायत के आधार पर दायर की गई थी। इसके बाद अदालत ने M3M इंडिया और उसके निदेशकों को

समन जारी किया, जिनमें बसंत बंसल, रूप बंसल और पंकज बंसल शामिल हैं।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, 2016 में MGF ने ज़मीन की अदला-बदली की व्यवस्था के तहत गुरुग्राम के चौमा इलाके में ज़मीन के कुछ टुकड़े M3M को हस्तांतरित करने पर सहमति जताई थी। इस सौदे में बदले में दूसरी ज़मीन और पोस्ट-डेटेड चेक के ज़रिए 114 करोड़ का भुगतान शामिल था। समझौते में यह शर्त थी कि यदि चेक बाउंस हो जाते हैं, तो यह समझौता रद्द और अमान्य माना जाएगा।

MGF ने आरोप लगाया है कि चेक बाउंस हो गए थे। उसने आगे आरोप लगाया कि इसके बावजूद, M3M ने ज़मीन का म्यूटेशन (नामांतरण) करवा लिया और इस विवादित सौदे के आधार पर निर्माण लाइसेंस के लिए आवेदन कर दिया।

रिकॉर्ड पर मौजूद तथ्यों का संज्ञान लेते हुए, अदालत ने टिप्पणी की कि आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी), 406 (आपराधिक विश्वास भंग), 120-B (आपराधिक षड्यंत्र) और 34 (सामान्य आशय) के तहत आगे बढ़ने के लिए प्रथम दृष्टया पर्याप्त आधार मौजूद हैं।

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल उकलाना में गूँजी सफलता की गूँज: भव्य समारोह में बँटे स्कॉलरशिप सर्टिफिकेट

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 22 मार्च। शिक्षा के क्षेत्र में नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, उकलाना के प्रांगण में बीते दिन एक भव्य 'स्कॉलरशिप सर्टिफिकेट वितरण समारोह' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उन सभी मेधावी छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिन्होंने हाल ही में आयोजित स्कॉलरशिप टेस्ट में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था। समारोह की खास बात यह रही कि विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ इस गौरवपूर्ण क्षण के साक्षी बने। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ऑक्सफोर्ड ग्रुप ऑफ स्कूल्स के अध्यक्ष डॉ. सतीश

भारती ने विद्यालय का भविष्योन्मुखी विजन साझा किया। उन्होंने घोषणा की कि ऑक्सफोर्ड स्कूल ने एम्बीशन इंस्टीट्यूट, हिसार के साथ हाथ मिलाया है। अब विद्यार्थियों को स्कूल स्तर से ही प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जाएगा। ठएएळ, खएए और अन्य कॉम्पिटिशन एग्जाम्स की तैयारी के लिए अब बच्चों को दूर दराज के शहरों में जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

डॉ. भारती ने विश्वास दिलाया कि जो सुविधाएं बड़े शहरों के बड़े संस्थानों में मिलती हैं, वही अब उकलाना में उपलब्ध होंगी। मंच का सफल संचालन याचिका मैडम द्वारा किया गया। उनकी मधुर आवाज और ओजपूर्ण शैली ने पूरे कार्यक्रम में समां बाँध दिया। इस अवसर पर विद्यालय के एकेडमिक कोऑर्डिनेटर राकेश नैन और मार्केटिंग हेड गणेश मेहता ने भी अभिभावकों को संबोधित किया। उन्होंने विद्यालय की नई पहल के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि कैसे यह कदम बच्चों के करियर को नई ऊंचाइयां प्रदान करेगा।

स्कॉलरशिप टेस्ट क्वालीफाई करने वाले विद्यार्थियों को उनके अभिभावकों सहित मंच पर आमंत्रित किया गया। स्कूल प्रबंधन द्वारा उन्हें स्कॉलरशिप सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। अपने बच्चों की इस उपलब्धि पर अभिभावकों की आँखों में गर्व के आँसू और चेहरे पर मुस्कान साफ देखी जा सकती थी। उपस्थित अभिभावकों ने ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल उकलाना की इस पहल की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि विद्यालय मैनेजमेंट का यह निर्णय सराहनीय है कि उनके बच्चों को घर के पास ही विश्वस्तरीय और अत्याधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं। इस अवसर पर अभीभावको और विद्यार्थियों के सम्मान में खान-पान की व्यवस्था भी की गई।

बिजली मित्रों ने लगाई विद्युत चोरों पर लगाम

» **साहिबाबाद, यूटर्न/ 22 मार्च।**

ऊर्जा निगम की तरफ से शुरू की गई बिजली मित्र योजना अब बिजली चोरी पर नियंत्रण पाने में बेहद कारगर साबित हो रही है। इस योजना के तहत स्थानीय स्तर पर जुड़े बिजली मित्रों की सक्रिय भागीदारी से विभाग को लगातार महत्वपूर्ण सूचनाएं मिल रही हैं, जिनके आधार पर बिजली चोरी के मामलों में तेजी से कार्रवाई की जा रही है।

ऊर्जा निगम आंकड़ों के अनुसार, प्रतिदिन लगभग 10 से 15 बिजली मित्रों की दी गई सूचनाओं पर कार्रवाई करते हुए बिजली चोरी पकड़ी जा रही है। सूचनाओं पर ऊर्जा निगम की टीमें मौके पर पहुंच कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करती है। इससे न केवल चोरी पर अंकुश लग रहा है, बल्कि राजस्व हानि में भी कमी आ रही है।

ऊर्जा निगम जोन एक के मुख्य अभियंता पवन अग्रवाल ने बताया कि फरवरी से अब तक बिजली मित्रों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण रही। इस दौरान करीब 20 बिजली मित्रों की दी गई सूचना के आधार पर 12 लाख रुपये से अधिक की बिजली चोरी पकड़ी गई। उन्होंने बताया कि आठ उपभोक्ता चोरी करते हुए पकड़े गए हैं। इनके पास 17 किलोवाट तक की चोरी पकड़ी गई है, जिसमें किसी के पास पांच लाख तो किसी के दो से तीन लाख तक की चोरी पकड़ी गई है। कुछ उपभोक्ता मौके पर नहीं मिले लेकिन विभाग ने उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए बिजली चोरी का प्राथमिकी दर्ज कराई है। यह उपभोक्ता लो कन्डेक्शन पर अधिक बिजली जला रहे थे। पवन अग्रवाल ने बताया कि ऊर्जा निगम आने वाले दिनों में और अधिक बिजली मित्र बनाएगा जिससे बिजली चोरी जैसी समस्या पर सामूहिक रूप से नियंत्रण पाया जा सके।

इन इलाकों में अधिक है बिजली चोरी की समस्या: टीएचए के मकनपुर, कनावनी और करहेड़ा क्षेत्रों से बिजली चोरी की सबसे अधिक शिकायतें सामने आ रही हैं। इन इलाकों में अवैध कनेक्शन, मीटर से छेड़छाड़ और सीधे लाइन से बिजली खींचने जैसे मामले ज्यादा पाए जा रहे हैं।

दो माह बाद भी नहीं मिला कॉर्डियोलॉजिस्ट

दिल के मरीज परेशान

» **गाजियाबाद, यूटर्न/ 22 मार्च।**

जनपद के सरकारी अस्पतालों में कॉर्डियोलॉजिस्ट की तैनाती नहीं होने से हृदय रोगियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जनवरी में उपमुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक के निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देश के दो माह बीत जाने के बाद भी विशेषज्ञ चिकित्सक की नियुक्ति नहीं हो सकी है। ऐसे में मरीजों का इलाज फिजिशियन के भरोसे चल रहा है। गंभीर हालत में उन्हें हायर सेंटर रेफर किया जा रहा है। एमएमजी अस्पताल में रोजाना ढाई से तीन हजार मरीज ओपीडी में पहुंचते हैं। इनमें 40 से 50 मरीज सीने में दर्द, सांस फूलने और रक्तचाप जैसी समस्याओं से ग्रसित होते हैं। संयुक्त जिला अस्पताल संजयनगर में प्रतिदिन 900 से 1000 मरीज इलाज के लिए आते हैं, जिनमें 10 से 15 हृदय रोगी होते हैं।

विशेषज्ञ की अनुपलब्धता के कारण इन मरीजों को प्राथमिक उपचार के बाद दिल्ली के अस्पतालों के लिए भेज दिया जाता है। इससे समय और धन दोनों का नुकसान हो रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी एक बड़ी समस्या है। अधिकारियों का कहना है कि कम वेतन के कारण डॉक्टर सरकारी अस्पतालों में आने से बचते हैं।

सीने में दर्द होने पर रेफर किया दिल्ली

साहिबाबाद निवासी 58 वर्षीय रामकिशन को पिछले सप्ताह अचानक सीने में तेज दर्द हुआ। परिजन उन्हें तुरंत एमएमजी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां मौजूद फिजिशियन ने प्राथमिक जांच के बाद हार्ट अटैक की आशंका जताई, लेकिन कॉर्डियोलॉजिस्ट नहीं होने के कारण दिल्ली रेफर कर दिया।

बड़े अस्पताल जाने को कह वापस किया

आकाश नगर की रहने वाली 45 वर्षीय शबीना को कई दिनों से सांस लेने में दिक्कत और रक्तचाप की समस्या थी। वह संयुक्त जिला अस्पताल पहुंचीं, लेकिन हृदय रोग विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं मिला। फिजिशियन ने दवाएं देकर उन्हें बड़े अस्पताल जाने की सलाह दी।

बुजुर्ग महिला के कान से झुमके की चेन खींचने वाले दो गिरफ्तार

साहिबाबाद, यूटर्न/ 22 मार्च। शालीमार गार्डन बुध बाजार मार्ग पर 74 वर्षीय गोमती यादव के कान में पड़ी सोने की चेन खींचने वाले आरोपी 20 मार्च की रात चेकिंग के दौरान पुलिस के हत्थे चढ़े। इनमें शालीमार गार्डन के गणेशपुरी का रहने वाला मोहम्मद अमन और शहीद नगर निवासी अमन हैं। दोनों के पास से चोरी की बाइक व स्कूटी के साथ ही बुजुर्ग महिला के कान से खींची गई चेन और एक युवक से छीना गया मोबाइल फोन बरामद हुआ है।

दोनों ने छिनैती की वारदात करना भी पुलिस की पूछताछ में स्वीकार किया है। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 11 मार्च की सुबह करीब नौ बजे बुजुर्ग गोमती यादव बाजार से घर लौट रही थीं। इस दौरान दो बाइक सवारों ने झपट्टा मारकर कान में पहने हुए आर्टीफिशियल झुमके में लगी सोने की चेन खींच ली थी। पुलिस मामले की जांच कर रही थी। शुक्रवार रात चेकिंग के दौरान दो वाहन चालकों को रोका गया था। दोनों मोहम्मद अमन और अमन थे। वाहन के कागजात न दिखाए जाने पर संदेह हुआ तब सख्ती से पूछताछ की गई थी।

पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने करीब सात-आठ दिन पहले 150 फुटा मार्ग पर महिला से छिनैती की थी। वहीं करीब एक माह पहले वजीराबाद मार्ग पर एक युवक से मोबाइल फोन छीना था। दोनों के पास से मिली बाइक व स्कूटी को दिल्ली से चुराया गया था।

सीनियर सिटीजन कार्ड का झांसा देकर वृद्ध से ठगी

गाजियाबाद, यूटर्न/ 22 मार्च। ऑनलाइन ठगी करने वाले आरोपियों ने रामप्रस्थ कॉलोनी में रहने वाले देव कृष्ण गर्ग (81) को सीनियर सिटीजन कार्ड दिलाने का झांसा देकर एपीके फाइल उनके मोबाइल में डाउनलोड कराई।

पीड़ित का मोबाइल हैक कर उनके खाते से सात लाख रुपये निकाल लिए। इस मामले में पीड़ित बुजुर्ग ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

एडीसीपी अपराध पीयूष कुमार सिंह ने बताया कि रामप्रस्थ के रहने वाले देव कृष्ण गर्ग के मुताबिक उन्हें सात मार्च को फेसबुक पर इंडसइंड बैंक का एक विज्ञापन दिखा। इसमें सीनियर सिटीजन कार्ड के बारे में जानकारी थी। विज्ञापन में दिए गए लिंक पर क्लिक करने के बाद उन्हें आठ मार्च को एक फोन आया, इसमें फोन करने वाले ने खुद को बैंक का मैनेजर बताया। ठग ने उन्हें बताया कि उनके नाम पर एक क्रेडिट कार्ड के लिए अनुरोध आया है और इसकी पुष्टि करने के लिए उन्हें कुछ जानकारी देनी होगी। इसके बाद ठग ने उन्हें एक एपीके फाइल भेजी, जिसे खोलने के बाद उनके मोबाइल में मालवेयर एपीके फाइल इंस्टॉल हो गया। इसके बाद ठगी को अंजाम दिया। जिन खातों में रकम ट्रांसफर हुई है, उनका पता लगाया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

बैटरी चोरी का मामला भी 13 दिन बाद हुआ दर्ज

इंदिरापुरम, यूटर्न/ 22 मार्च। वसुंधरा सेक्टर 15 निवासी जतिन गर्ग के घर इनवर्टर की बड़ी बैटरी चोरी होने के मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करने में 13 दिन लगा दिए। चोरी सात मार्च को हुई थी। पुलिस ने रिपोर्ट 20 मार्च की रात दर्ज की। यह स्थिति तब है जब पीड़ित के पास घटना के सीसीटीवी फुटेज मौजूद हैं। दर्ज मामले में जतिन गर्ग ने बताया कि सात मार्च की दोपहर करीब तीन बजे वह घर में ताला लगाकर बाहर निकले थे। लौटने पर ताला टूटा मिला। चोर घर के अंदर से बैटरी चोरी कर ले गए। सीसीटीवी कैमरा खंगालने पर दोपहर करीब 3:34 बजे चोरी होने की पुष्टि हुई। आरोपी चोर बाइक से पहुंचा था और चोरी कर भाग निकला। चोरी के दिन ही उन्होंने पुलिस को तहरीर दी। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज करने में देरी किस स्तर से हुई है इसकी जांच की जा रही है। इसकी विस्तृत रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी।

प्लॉट पर फर्जी तरीके से कब्जा करने का आरोपी गिरफ्तार

लोनी, यूटर्न/ 22 मार्च। फर्जी तरीके से प्लॉट पर कब्जा करने वाले पांच आरोपी को ट्रॉनिका सिटी थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने प्लॉट के फर्जी कागजात भी तैयार कराए थे। पीड़ित ने मामले में पुलिस को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की थी। राम पार्क कॉलोनी में रहने वाले बहादुर खान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उन्हें प्लॉट की जरूरत थी। उन्होंने करीब एक साल पहले मनोज, रिजवान, चेतनाम, कामरान व रूपेंद्र से प्लॉट का सौदा किया था। एक लाख रुपये लेकर मूल कागजात दिए थे। इसके बाद कामरान व उसके साथियों ने फर्जी कागजात बनाकर प्लॉट पर कब्जा कर लिया। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी कामरान निवासी प्रताप विहार गाजियाबाद को ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है।

दुकान में घुसकर महिला के साथ अश्लीलता, विरोध करने पर पीटा

लोनी, यूटर्न/ 22 मार्च। बार्डर थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी स्थित दुकान में घुसकर युवकों ने महिला के साथ अश्लीलता की। विरोध करने पर युवकों ने महिला और उनके पति को पीटा। पति के सिर पर नुकीली वस्तु से वार कर घायल किया। मामले की शिकायत स्थानीय पुलिस से की गई। महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह घर पर परचून की दुकान चलाती हैं।

एलपीजी की कमी से औद्योगिक क्षेत्र में गहराया संकट

» **साहिबाबाद, यूटर्न/ 22 मार्च।**

एलपीजी की किल्लत से न केवल आम इंसान प्रभावित हो रहा है, बल्कि अब औद्योगिक इकाइयों में भी समस्या गहराने लगी है। साहिबाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना है कि एलपीजी की भारी कमी और पीएनजी कनेक्शन में देरी के चलते कई उद्योगों में उत्पादन प्रभावित हो गया है, जबकि अब श्रमिकों के पलायन की भी समस्या सामने आ रही है। ऐसे में उद्यमियों ने औद्योगिक क्षेत्र में 30 दिन में आईजीएल कनेक्शन दिए जाने की मांग की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश मित्तल का कहना है कि पश्चिमी एशिया में बढ़ते तनाव के कारण गैस आपूर्ति प्रभावित हुई है। इसका सीधा असर साहिबाबाद के टॉय मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रिक फैन, पाउडर कोटिंग और वेल्डिंग से जुड़े उद्योगों पर पड़ा है। इन इकाइयों का उत्पादन पूरी तरह एलपीजी पर निर्भर है। पदाधिकारियों का कहना है कि मौजूदा हालात में एलपीजी किल्लत की वजह से फैक्ट्रियों में काम बंद होने

से ऑर्डर समय पर पूरे नहीं हो पा रहे और उद्यमियों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।

उद्योगों के सामने पीएनजी कनेक्शन भी तत्काल विकल्प नहीं बन पा रहा है। अब तक इन उद्योगों में कॉमर्शियल सिलिंडर से काम चलाया जाता था। बहुत कम औद्योगिक इकाई ने आईजीएल कनेक्शन लिया हुआ है। एसोसिएशन पदाधिकारियों का कहना है कि अब अचानक से आईजीएल से कनेक्शन लेने की प्रक्रिया लंबी और जटिल है, जिसमें 6 महीने से लेकर 1-2 साल तक का समय लग रहा है।

बिंदल ग्रुप के ठिकानों पर IT का छापा : तीन करोड़ की नकदी, 20 करोड़ के जेवर बरामद

चार दिनों तक चली कार्रवाई

गाजियाबाद, यूटर्न/ 22 मार्च। गाजियाबाद आयकर विभाग की इन्वेस्टिगेशन विंग ने बिंदल ग्रुप के दिल्ली, मुजफ्फरनगर और बिजनौर स्थित पेपर व शुगर मिल पर छापा मारकर बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी पकड़ी है। टीम ने जांच के दौरान तीन करोड़ से ज्यादा का बिना हिसाब का कैश और 20 करोड़ से ज्यादा कीमत के जेवर बरामद किए हैं। इसके साथ ही छापे के दौरान 50 से ज्यादा अचल संपत्ति के दस्तावेज मिले हैं। आयकर अधिकारियों ने बताया कि इनकम टैक्स एक्ट 1961 के सेक्शन 132 के तहत मेसर्स बिंदल्स पेपर्स मिल्स लिमिटेड और उससे जुड़ी कंपनियों को टारगेट करते हुए बड़े पैमाने पर सर्च व सीजर ऑपरेशन पूरा किया है। 18 मार्च को शुरू हुए ये छापे दिल्ली, मुजफ्फरनगर और बिजनौर में एक साथ कई जगहों पर मारे गए।

इस ऑपरेशन में मुजफ्फरनगर की छह और बड़ी पेपर मिलें शामिल थीं। इनमें बिंदल्स डुप्लेक्स लिमिटेड,

हिसाब-किताब रखने में नाकाम

आयकर अधिकारियों का कहना है कि बिंदल पेपर्स मिल लिमिटेड (बीपीएमएल) के आंतरिक अकाउंटेंट और पावर प्लांट के जनरल मैनेजर के धारा 132(4) के तहत दर्ज बयानों से पता चला है कि समूह अपने कागज, बिजली और चीनी इकाइयों के लिए अलग-अलग हिसाब-किताब की किताबें रखने में नाकाम रहा। जांचकर्ताओं को केवल समेकित किताबें और ट्रायल बैलेंस मिले। चार दिनों तक चला छापा शनिवार को समाप्त हो गया। आयकर विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वित्तीय अनियमितताओं की सीमा का और पता लगाने के लिए बिंदल समूह के प्रमुख कर्मचारियों और निदेशकों के बयान दर्ज करने का काम जारी है।

अग्रवाल डुप्लेक्स बोर्ड मिल्स लिमिटेड, टिहरी पल्प एंड पेपर मिल्स लिमिटेड, शाकुंभरी पल्प एंड पेपर मिल्स लिमिटेड और बिंदल इंडस्ट्रीज लिमिटेड शामिल हैं। इसके अलावा बिजनौर के गांव चांगीपुर में ग्रुप की शुगर यूनिट की भी कड़ी जांच की गई।

आयकर विभाग के सूत्रों का कहना है कि जांच में मिले सुबूतों से पता चलता है कि खोई (गन्ने की बची हुई छाल) और दूसरे कच्चे माल की बिना हिसाब-किताब खरीद की गई। इसके अलावा कागज के क्षेत्र में 50 करोड़ से ज्यादा की फर्जी खरीद का पता चला।

आईटीआर में 171.3 करोड़ की छूट का दावा मिला गलत

आयकर विभाग के सूत्रों के अनुसार, बिंदल ग्रुप की ओर से आयकर रिटर्न आयकर अधिनियम की धारा 80आईए के तहत कुल 171.3 करोड़ रुपये की छूट लेने का दावा किया। दस्तावेजों की जांच में दावा गलत पाया गया।

अमेरिकी एयरलाइंस को डर, 'कच्चे तेल की कीमत पहुंच सकती है 175 डॉलर प्रति बैरल'

» **वाशिंगटन, यूटर्न/ 22 मार्च।**

पश्चिम एशिया तनाव का असर पूरी दुनिया पर धीरे-धीरे दिखने लगा है। विभिन्न देशों ने ईंधन कटौती के उपाय किए हैं; इस बीच अमेरिका की एक एयरलाइन को आशंका है कि हालात ऐसे ही रहे तो क्रूड की कीमत 175 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है।

यूएस की बड़ी एयरलाइन कंपनी 'यूनाइटेड एयरलाइंस' ने ऐसी आशंका जताई है। कंपनी के सीईओ स्कॉट किर्बी ने शुक्रवार को स्टाफ मेमो में बताया कि हालात तेजी से बदल रहे हैं, इसलिए पहले से तैयारी करना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि पिछले सिर्फ 3 हफ्तों में जेट फ्यूल की कीमत दोगुनी से भी ज्यादा हो गई है। अगर यही हालात बने रहे, तो कंपनी को हर साल करीब 11 अरब डॉलर ज्यादा खर्च करना पड़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत पहले करीब 70 डॉलर प्रति बैरल थी, लेकिन अब यह बढ़कर लगभग 119.50 डॉलर तक पहुंच गई है।

बता दें, अमेरिकी ट्रेजरी ने शुक्रवार को ही ईरान से तेल खरीद पर 30 दिनों की छूट दी। ये उन ईरानी तेल खेपों को लेकर है जो पहले से समुद्र में जहाजों पर लदी हुई हैं। यह छूट उन सभी जहाजों पर लागू होगी जिनमें 20 मार्च तक तेल लोड हो चुका है और जिन्हें 19 अप्रैल तक उतारना होगा। यह जानकारी अमेरिका के ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल (ओएफएसी) ने दी ताकि वैश्विक आपूर्ति में लगभग 140 मिलियन बैरल तेल जोड़ा जा सके। केपलर के डेटा के अनुसार, इस समय करीब 18 करोड़ बैरल ईरानी कच्चा तेल अलग-अलग जहाजों में समुद्र में मौजूद है, जो मिडिल ईस्ट से लेकर चीन के आसपास के समुद्री इलाकों तक फैला हुआ है।

राजस्थान के उद्योगपतियों के साथ बातचीत से 5,055 करोड़ का निवेश और रोजगार सुनिश्चित: मोहन यादव

» **भोपाल, यूटर्न/ 22 मार्च।**

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि जयपुर में उद्योगपतियों के साथ हुए संवाद सत्र के दौरान निवेश को आकर्षित करने के अभियान को काफी गति मिली। इसके परिणामस्वरूप 5,055 करोड़ रुपए के निवेश की प्रतिबद्धताएं प्राप्त हुईं।

रविवार को अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि इन प्रस्तावों से विभिन्न क्षेत्रों में 3,530 से अधिक रोजगार पैदा होने की उम्मीद है, जो व्यापार विस्तार के लिए एक पसंदीदा जगह के तौर पर राज्य की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है।

सीएम ने इसे इस बात का सबूत बताया कि राजस्थान के उद्यमी, आपसी आर्थिक विकास के लिए मध्य प्रदेश के फायदों का लाभ उठाने में बढ़ती दिलचस्पी दिखा रहे हैं। शनिवार को जयपुर में आयोजित यह कार्यक्रम, निवेशकों और उद्योगपतियों को आकर्षित करने के लिए राज्य सरकार के राष्ट्रव्यापी अभियान का हिस्सा था। मध्य प्रदेश की निवेशक-अनुकूल नीतियों, मजबूत बुनियादी ढांचे और प्रगतिशील औद्योगिक ढांचे को प्रदर्शित करने के लिए डिजाइन किए गए इस सत्र में आकर्षक प्रोत्साहन योजनाओं और क्षेत्र-विशेष के अवसरों पर प्रकाश डाला गया। सीएम यादव ने प्रमुख कारोबारी नेताओं के साथ विस्तार से चर्चा की, जिसमें उन्होंने भारत के केंद्र में राज्य की रणनीतिक स्थिति, कुशल मानव संसाधन की उपलब्धता, भरोसेमंद बिजली आपूर्ति और नवीकरणीय ऊर्जा, विनिर्माण, कपड़ा, दवा और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में राज्य की ताकतों पर जोर दिया।

मध्य प्रदेश को असाधारण अवसरों की भूमि के रूप में प्रस्तुत करते हुए मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि पड़ोसी राज्य राजस्थान से निवेश का प्रवाह लगातार जारी रहेगा। उन्होंने राज्य के औद्योगिक विकास को भारत के महत्वाकांक्षी 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य से जोड़ा और सतत तथा उच्च-विकास वाले निवेश के लिए मध्य प्रदेश की एक उभरती हुई शक्ति के रूप में भूमिका पर जोर दिया।

इस संवादात्मक प्रारूप ने प्रतिभागियों को मुख्यमंत्री और उद्योग नीति एवं निवेश संवर्धन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से सीधे स्पष्टीकरण मांगने का अवसर प्रदान किया। कई उद्योगपतियों ने इस पारदर्शी दृष्टिकोण और सहायक वातावरण की सराहना की और कुछ ने राज्य में अपनी इकाइयों का विस्तार करने या नई इकाइयां स्थापित करने की इच्छा व्यक्त की।

अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के आउटरीच सेशन जानकारी की कमी को दूर करने, निवेशकों का भरोसा बढ़ाने और प्रोजेक्ट्स को तेजी से मंजूरी दिलाने में मदद करते हैं। मध्य प्रदेश को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने के बड़े अभियान के तहत, दूसरे शहरों में भी इसी तरह के कार्यक्रम पहले ही आयोजित किए जा चुके हैं।

जैसे-जैसे मध्य प्रदेश 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस', इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने और नीतियों में सुधार पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है, सरकार का लक्ष्य आने वाले महीनों में और भी ज्यादा निवेश आकर्षित करना है।

दक्षिण कोरिया ने ईवी बैटरी निर्माता और मूल देश का खुलासा करने को रखा संशोधन का प्रस्ताव

» **सियोल, यूटर्न/ 22 मार्च।**

दक्षिण कोरिया के परिवहन मंत्रालय ने रविवार को कहा कि ग्राहक जल्द ही इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खरीदते समय बैटरी से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी जैसे निर्माता और मूल देश की जांच कर सकेंगे।

दक्षिण कोरिया के भूमि, अवसंरचना और परिवहन मंत्रालय ने कहा कि ऐसे संशोधन दो संबंधित कानूनों में प्रस्तावित बदलावों में शामिल किए जाएंगे, जिनमें मोटर वाहन प्रबंधन अधिनियम के प्रवर्तन नियम भी शामिल हैं, योनहाप समाचार एजेंसी ने रिपोर्ट किया।

प्रस्तावित संशोधन के तहत, ग्राहकों के लिए उपलब्ध ईवी बैटरी से जुड़ी जानकारी की संख्या छह से बढ़ाकर 10 की जाएगी।

मंत्रालय ने कहा कि जो नई जानकारी सार्वजनिक की जाएगी, उसमें बैटरी का निर्माता, मूल देश, उत्पाद का नाम और निर्माण तिथि शामिल होगी।

वर्तमान में, ग्राहक केवल बैटरी के कार्य से संबंधित जानकारी, जैसे इसकी क्षमता और रेटेड वोल्टेज ही देख सकते हैं। मंत्रालय ने यह भी योजना बनाई है कि जो वाहन निर्माता और विक्रेता आवश्यक बैटरी जानकारी का खुलासा नहीं करेंगे, उन पर अधिकतम 1 करोड़ वॉन (लगभग 6,600 अमेरिकी डॉलर) तक का जुर्माना लगाया जाएगा।

मंत्रालय ने एक नया मानक भी स्थापित किया है, जिसके तहत यदि दो वर्षों की अवधि में एक ही दोष दो से चार बार सामने आता है, तो सुरक्षा प्रमाणन रद्द किया जा सकता है और कार्रवाई की गंभीरता दोष की प्रकृति पर निर्भर करेगी।

मंत्रालय ने कहा कि यदि किसी बैटरी में डिजाइन या निर्माण से जुड़ी खामी होती है, जो सुरक्षा मानकों को पूरा नहीं करती और दो बार आग या अन्य नुकसान का कारण बनती है, तो उसका प्रमाणन रद्द कर दिया जाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार, यदि कोई दोष तकनीकी मानकों को पूरा करता है, लेकिन फिर भी सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करता है और आग या नुकसान का कारण बनता है, तो ऐसी तीन घटनाओं के बाद प्रमाणन रद्द कर दिया जाएगा।

5 इलेक्ट्रिक स्कूटरों में मिल रहा टीएफटी टचस्क्रीन डिस्प्ले

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 मार्च।**

भारत में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में कई मॉडल्स में टीएफटी टचस्क्रीन डिस्प्ले मिलने लगा है, जो यूजर्स को स्मार्टफोन जैसा इंटरफेस देता है। इस सूची में अथेर 450एक्स सबसे लोकप्रिय विकल्पों में से एक है, जिसमें 7-इंच का टीएफटी टचस्क्रीन डैशबोर्ड मिलता है। यह स्कूटर स्मूद इंटरफेस, नेविगेशन, कॉल और म्यूजिक कंट्रोल जैसे कई स्मार्ट फीचर्स के साथ आता है और एक बार चार्ज में करीब 161 किमी तक की रेंज देता है। वहीं सिंपल वन भी 7-इंच डिस्प्ले के साथ क्रूज कंट्रोल, लाइव लोकेशन और स्मार्ट अलर्ट जैसे एडवांस फीचर्स ऑफर करता है, जिसकी रेंज 265 किमी तक बताई गई है। टीवीएस आईक्यूब सीरीज, खासकर एसटी वेरिएंट, बड़े टीएफटी डिस्प्ले और ओटीए अपडेट, जियो-फेंसिंग व एंटी-थेफ्ट अलर्ट जैसे फीचर्स के लिए जानी जाती है।

इसकी रेंज 212 किमी तक जाती है।

वहीं ओएलए एस1 प्रो जेन 3 में मूव ओएस 5 आधारित 7-इंच टचस्क्रीन मिलता है, जिसमें नेविगेशन, क्रूज कंट्रोल और मल्टीपल राइडिंग मोड्स जैसे कई हाईटेक फीचर्स दिए गए हैं। इसके अलावा अथेर रिज्टा फैमिली-ओरिएंटेड स्कूटर के तौर पर उभर रहा है, जिसमें बड़ा टचस्क्रीन डैशबोर्ड, गूगल मैप्स नेविगेशन और सेफ्टी फीचर्स का अच्छा कॉम्बिनेशन मिलता है।

टपूकारा प्लांट में तीसरी प्रोडक्शन लाइन स्थापित कर रही होंडा कंपनी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 मार्च।**

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया कंपनी राजस्थान के अलवर स्थित टपूकारा प्लांट में तीसरी प्रोडक्शन लाइन स्थापित करने जा रही है, जिससे ग्राहकों को आने वाले समय में बाइक्स और स्कूटर्स की बेहतर उपलब्धता मिल सकेगी। इस नई लाइन के शुरू होने से हर साल करीब 6.7 लाख यूनिट की अतिरिक्त उत्पादन क्षमता जुड़ जाएगी। कंपनी का लक्ष्य है कि यह सुविधा 2028 तक पूरी तरह से चालू हो जाए। इसके बाद टपूकारा प्लांट की कुल उत्पादन क्षमता बढ़कर 20.1 लाख यूनिट प्रति वर्ष हो जाएगी। इस प्रोजेक्ट के लिए कंपनी करीब 1,500 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है और इसके साथ ही अतिरिक्त जमीन भी खरीदी जा रही है। इस विस्तार से

रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। कंपनी के अनुसार, इस प्रोजेक्ट से लगभग 2,000 नई नौकरियां पैदा होंगी, जिससे स्थानीय लोगों को फायदा मिलेगा। इसके अलावा होंडा देशभर में अपनी कुल उत्पादन क्षमता को एफवाय 2028 तक 80 लाख यूनिट सालाना तक पहुंचाने की योजना पर भी काम कर रही है। इसी क्रम में गुजरात के विथलापुर प्लांट में भी नई प्रोडक्शन लाइन जोड़ी जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

कोर सेक्टर की रफ्तार धीमी, फरवरी में ग्रोथ घटकर 2.3 फीसदी रह गई

मुंबई, यूटर्न/ 22 मार्च। भारत के कोर इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर की वृद्धि दर में फरवरी 2026 में तेज गिरावट दर्ज की गई है। यह ग्रोथ जनवरी के 4.7 प्रतिशत से घटकर महज 2.3 प्रतिशत रह गई, जो स्पष्ट रूप से आर्थिक गतिविधियों में सुस्ती का संकेत देती है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले 11 महीनों (अप्रैल-फरवरी) में कोर सेक्टर की औसत वृद्धि 2.9 प्रतिशत रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 4.4 प्रतिशत थी। इससे संकेत मिलता है कि इस साल प्रदर्शन पिछले छह वर्षों में सबसे कमजोर रह सकता है। आठ प्रमुख कोर सेक्टर में से फरवरी में पांच में वृद्धि दर्ज हुई, लेकिन छह सेक्टरों की गति जनवरी की तुलना में धीमी पड़ गई। सबसे अधिक दबाव ऊर्जा क्षेत्र में देखा गया। रिफाइनरी उत्पादों में 1 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि क्रूड ऑयल उत्पादन लगातार छठे महीने घटकर 5.2 प्रतिशत कम हो गया। प्राकृतिक गैस उत्पादन भी 20वें महीने गिरते हुए 5 प्रतिशत नीचे रहा। बिजली उत्पादन की वृद्धि दर भी घटकर 0.5 प्रतिशत रह गई, जो तीन महीनों का निचला स्तर है। हालांकि, सीमेंट और स्टील सेक्टर ने कुछ राहत दी। सीमेंट में 9.3 प्रतिशत और स्टील में 7.2 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई।

एटीएफ महंगा होने से बढ़ सकता है हवाई किराया, 1 अप्रैल से दिखेगा असर

एयरलाइंस ने फ्यूल सरचार्ज लागू किया

मुंबई, यूटर्न/ 22 मार्च। देश में एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की बढ़ती कीमतों का असर जल्द ही हवाई यात्रियों पर दिख सकता है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने बताया कि एटीएफ के दाम हर महीने की पहली तारीख को तय होते हैं, इसलिए इसके बढ़े हुए दामों का प्रभाव 1 अप्रैल से सामने आ सकता है। हालांकि, सरकार की कोशिश है कि ईंधन की महंगाई का सीधा बोझ यात्रियों पर न पड़े। इसके लिए मंत्रालय एयरलाइंस के साथ लगातार बातचीत कर रहा है। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने एविएशन सेक्टर पर दबाव बढ़ाया है। खासकर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर तनाव के कारण ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे जेट फ्यूल महंगा हो रहा है। इस बीच, कई एयरलाइंस ने किरायों में अप्रत्यक्ष बढ़ोतरी शुरू कर दी है।

6-सीटर विकल्प से बढ़ा किआ केरेंस क्लाविस ईवी का आकर्षण

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 मार्च।**

अपनी इलेक्ट्रिक एमपीवी किआ केरेंस क्लेविस ईवी के लिए किआ इंडिया कंपनी ने एमवाय26 अपडेट पेश किया है। ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने नए जीटी-लाइन और एक्स-लाइन ट्रिम्स के साथ 6-सीटर कॉन्फिगरेशन जोड़ा है, जिससे कार के कम्फर्ट और प्रीमियम फील को और बेहतर बनाया गया है।

इस अपडेट की सबसे बड़ी खासियत 6-सीटर लेआउट है, जिसमें सेकंड रो में कैप्टन सीट्स दी गई हैं। यह डिजाइन यात्रियों

को अधिक स्पेस और आराम देने के लिए तैयार किया गया है। यह नया कॉन्फिगरेशन एचटीएक्स (ई), एचटीएक्स, एचटीएक्स प्लस, जीटीएक्स, जीटीएक्स प्लस और एक्स-लाइन जैसे कई वेरिएंट्स में उपलब्ध कराया गया है। कीमतों की बात करें तो 42 केडब्ल्यूएच बैटरी वाले स्टैंडर्ड रेंज मॉडल की शुरूआती कीमत 17.99 लाख रुपये है, जो 20.49 लाख रुपये तक जाती है। वहीं 51.4 केडब्ल्यूएच बैटरी वाले एक्सटेंडेड रेंज वेरिएंट की कीमत 21.99 लाख रुपये से शुरू होकर 24.99 लाख रुपये तक जाती है। ये दोनों वेरिएंट 6 और 7-सीटर विकल्पों में उपलब्ध हैं।

परफॉर्मेंस के लिहाज से यह कार 404 किलोमीटर से लेकर 490 किलोमीटर तक की रेंज देती है।

यूटर्न टाइम THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

संक्षिप्त खबरें

प्रॉपर्टी टैक्स जमा नहीं करने वाले मैरिज हॉल होंगे सील

फरीदाबाद, यूटर्न/ 22 मार्च। नगर निगम ने संपत्ति कर वसूली को लेकर सख्ती बढ़ा दी है। टैक्स जमा नहीं करने वाले मैरिज हॉल संचालकों के खिलाफ अब सीलिंग की कार्रवाई की तैयारी कर ली गई है। निगम अधिकारियों के अनुसार शहर में 50 से अधिक मैरिज हॉल ऐसे चिन्हित किए गए हैं, जिन पर लाखों रुपये का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया है। निगम की अतिरिक्त आयुक्त सलोनी शर्मा ने सभी जोन के कर अधिकारियों की बैठक लेकर निर्देश दिए हैं कि जिन संचालकों ने नोटिस के बाद भी टैक्स जमा नहीं किया उनके खिलाफ एक सप्ताह के भीतर सीलिंग की कार्रवाई शुरू की जाए। इसके लिए पांच टीमों का गठन किया गया है, जो अलग-अलग जोन में अभियान चलाएंगी। निगम अधिकारियों के मुताबिक मैरिज हॉल संचालकों को पहले ही तीन बार नोटिस भेजे जा चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद करीब तीन करोड़ रुपये की राशि बकाया है। अब रोजाना कार्रवाई की रिपोर्ट मुख्यालय को भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर 4.43 करोड़ की ठगी में एक गिरफ्तार

फरीदाबाद, यूटर्न/ 22 मार्च। फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर 4.43 करोड़ रुपये की ठगी मामले में एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी अतुल कुमार यूपी के कासगंज का मूल निवासी है। वो फिलहाल दिल्ली के विष्णु गार्डन इलाके में रहता है। आरोपित से पूछताछ में सामने आया कि वह बैंक खाताधारक है। उसने अपना बैंक खाता ठगों को उपलब्ध करवाया था। आरोपी डिलीवरी बॉय का काम करता है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि आरोपी के बैंक खाते में ठगी के 7.5 लाख रुपये आए थे। पूछताछ के बाद साइबर क्राइम थाना एनआईटी की टीम ने आरोपी को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा है। ठगी को लेकर पुलिस को ये शिकायत सेक्टर-9 के रहने वाले व्यक्ति ने दी थी। शिकायत में बताया गया कि उनकी एक डेटिंग वेबसाइट पर एक युवती से बातचीत हुई। इसके बाद व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से भी संपर्क बना रहा। युवती ने बताया कि वह और उसका भाई फॉरेक्स ट्रेडिंग में निवेश कर भारी मुनाफा कमाते हैं। इसके बाद ठगों द्वारा निवेश के नाम पर एक वेबसाइट पर अकाउंट बनवाया गया। अप्रैल से जून 2025 के बीच उसने विभिन्न ट्रांजेक्शन के माध्यम से कुल 44368974 रुपये निवेश कर दिये। बाद में जब शिकायतकर्ता ने अपनी राशि निकालने का प्रयास किया तो वह पैसे नहीं निकाल सका।

मेडिकल कॉलेज में मेस शुल्क पर विवाद गहराया, छात्रों ने किया विरोध

» **फरीदाबाद, यूटर्न/ 22 मार्च।**

ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में हॉस्टल में रहने वाले एमबीबीएस छात्रों और कॉलेज प्रशासन के बीच मेस शुल्क को लेकर विवाद गहरा गया है। बिना मेस सुविधा लिए भी 600 रुपये प्रतिमाह शुल्क अनिवार्य करने के फैसले से छात्रों में भारी नाराजगी है। छात्र परिषद ने इस निर्णय के खिलाफ डीन को पत्र लिखकर कड़ा विरोध जताया है।

मामले की शुरूआत मुख्य वार्डन डॉ. अजय आर नेने द्वारा जारी सर्कुलर से हुई, जिसमें हॉस्टल में रहने वाले सभी छात्रों के लिए 600 रुपये मासिक प्रशासनिक शुल्क लागू किया गया है। यह शुल्क 1 अप्रैल 2021 से पूर्व प्रभाव से लागू किया गया है। खास बात यह है कि यह शुल्क उन छात्रों से भी लिया जा रहा है जो मेस सुविधा का उपयोग नहीं करते, जिससे छात्रों में असंतोष और बढ़ गया है।

सर्कुलर के अनुसार, यह राशि जमा किए बिना छात्रों के नो ड्यूज पर हस्ताक्षर नहीं होंगे। वहीं, नो ड्यूज के बिना एमबीबीएस की डिग्री जारी नहीं की जाएगी, जिससे छात्र पीजी नीट के लिए आवेदन भी नहीं कर पाएंगे। 28 महीनों के हिसाब से यह राशि प्रति छात्र 16,800 रुपये तक पहुंच रही है, जो कई छात्रों के लिए आर्थिक रूप से बोझिल साबित हो रही है।

फर्जी अथॉरिटी लेटर से प्रॉपर्टी आईडी बनवाकर निगम की जमीन की रजिस्ट्री करने वाले को नहीं मिली राहत

» **फरीदाबाद, यूटर्न/ 22 मार्च।**

बीएसएनएल के फर्जी अथॉरिटी लेटर से प्रॉपर्टी आईडी बनवाने के बाद निगम की जमीन की रजिस्ट्री कराने के मामले में आरोपी को अदालत से राहत नहीं मिली। आरोपी राज सिंह यादव के अधिवक्ता की ओर से अग्रिम जमानत याचिका दायर कर दलील दी गई कि उन्हें इस मामले में झूठा फंसाया गया है। मामले में उनकी कोई भूमिका नहीं है और उन्होंने न तो शिकायतकर्ता को कोई गलत नुकसान पहुंचाया और न ही कथित लेन-देन से कोई गलत लाभ उठाया।

वहीं अभियोजन पक्ष की ओर से याचिका का विरोध करते हुए दलील दी कि आरोपी के खिलाफ गंभीर आरोप हैं कि उसने अपने भाई राज कुमार यादव के साथ मिलकर जाली दस्तावेजों के आधार पर सरकारी जमीन पर कब्जा कर लिया है। आरोपी ने जाली दस्तावेजों के आधार पर नगर निगम के खिलाफ एक दीवानी मुकदमा भी दायर किया है। जाली दस्तावेजों को बरामद करने और उन्हें तैयार करने में अन्य व्यक्तियों की संलिप्तता का पता लगाने के लिए आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ करने की जरूरत है। दोनों पक्षों को सुनकर अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पुरुषोत्तम कुमार की अदालत ने आरोपी की याचिका खारिज कर दी है।

पराए पानी पर जी रही राजधानी उधारी से बुझ रही दिल्ली की प्यास

» **दिल्ली, यूटर्न/ 22 मार्च।**

राजधानी में एक के बाद एक करके कुएं, तालाब, झीलें सूखतीं चली गईं लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। भूजल संचयन से कई गुना ज्यादा दोहन हो रहा है। ऐसे में धरती के पेट का पानी लगातार कम होता जा रहा है। दिल्ली कच्चे पानी के लिए सबसे ज्यादा यमुना नदी पर निर्भर है जिस पर पहले से उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, यूपी और हरियाणा की प्यास बुझाने का बोझ है। स्थानीय वर्षाजल का योगदान सीमित है, जबकि भूजल का दोहन नियंत्रित स्तर पर किया जाता है। ऐसे में कच्चे पानी की मात्रा में उतार-चढ़ाव शोधन संयंत्रों की उत्पादन क्षमता को प्रभावित करता है राजधानी के वजीराबाद और चंद्रावल संयंत्रों को यमुना से कच्चा पानी प्राप्त होता है। यमुना से मिलने वाला पानी दिल्ली के कुल पेयजल उत्पादन का बड़ा हिस्सा है। गंगा का पानी अपर गंगा नहर के माध्यम से दिल्ली लाया जाता है, जिससे सोनिया विहार और भागीरथी संयंत्रों को आपूर्ति होती है।

हरियाणा से आने वाली मुनक नहर और दिल्ली सब-ब्रांच नहर के जरिये भी कच्चा पानी राजधानी तक पहुंचता है। भाखड़ा स्टोरेज से मिलने वाला पानी हैदरपुर, द्वारका और नांगलोई संयंत्रों के माध्यम से शोधन के बाद वितरित किया जाता है।

इसके अलावा दिल्ली के विभिन्न इलाकों में स्थापित ट्यूबवेल और रैनी वेल से भूजल भी निकाला जाता है, जो कुल आपूर्ति में सहायक भूमिका निभाता है। साफ है कि दिल्ली अपने पेयजल के लिए काफी हद तक हरियाणा और उत्तर प्रदेश पर निर्भर है। यमुना और गंगा बेसिन से आने वाला पानी ही राजधानी की जलापूर्ति की रीढ़ है।

2024 में सीजीडब्ल्यूबी की तरफ से प्रकाशित भारत के गतिशील भूजल संसाधनों पर राष्ट्रीय संकलन 2024 के अनुसार, दिल्ली में रिचार्ज से कई गुना अधिक पानी निकाला जा रहा है, जो भूजल संकट की तरफ इशारा करता है। दिल्ली का भूजल विकास स्तर 91 फीसदी है जो दर्शाता है कि दिल्ली का भूजल स्तर खतरे में है। 41.49 फीसदी क्षेत्र अति-दोहन की श्रेणी में है। पूर्वी दिल्ली में 98, नई दिल्ली में 135 और उत्तर पूर्वी दिल्ली 108 प्रतिशत अति-दोहन की श्रेणी में हैं, जबकि मध्य दिल्ली में 81, दक्षिण दिल्ली में 112 और दक्षिण पश्चिम दिल्ली 94 फीसदी गंभीर श्रेणी में है।

अवैध बोरवेल पर एनजीटी सख्त

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने दिल्ली के पीतमपुरा इलाके में अवैध बोरवेल संचालन को गंभीरता से लिया है। यह मामला वरुण लूथरा की याचिका से जुड़ा है। सुनवाई के दौरान बताया गया कि मोरया एन्क्लेव क्षेत्र में बिना अनुमति के बोरवेल से भूजल दोहन किया जा रहा है। केंद्रीय भूजल प्राधिकरण (सीजीडब्ल्यूए) ने कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों से जवाब मांगा था, लेकिन दिल्ली जल बोर्ड और अन्य अधिकारी समय पर प्रतिक्रिया नहीं दे पाए। एनजीटी ने इस लापरवाही पर चिंता जताई और कहा कि बोरवेल की वैधता की ठीक से जांच नहीं की गई। दिल्ली जल बोर्ड ने भरोसा दिया है कि दोबारा जांच कर सच्चाई सामने लाई जाएगी। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि शिकायत करने पर उसे धमकियां मिल रही हैं। अधिकरण ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि जरूरत पड़ने पर शिकायतकर्ता को सुरक्षा दी जाए। अगली सुनवाई 6 जुलाई को होगी।

अपहरण और जबरन शादी के मामले में युवक सभी आरोपों से बरी

» **फरीदाबाद, यूटर्न/ 22 मार्च।**

सेक्टर आठ थाना क्षेत्र में दर्ज अपहरण और जबरन शादी के मामले में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अजय शर्मा की अदालत ने युवक को सभी आरोपों से बरी कर दिया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष युवक के खिलाफ आरोपों को संदेह से परे साबित करने में असफल रहा। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने कुल 11 गवाह पेश किए, जिनमें शिकायतकर्ता, उसकी बेटी जिससे जबरन शादी करने का आरोप था, उसकी माता व पुलिस अधिकारी शामिल थे। अदालत ने अपने निर्णय में पाया कि मामले के प्रमुख गवाहों ने अदालत में अभियोजन के आरोपों का समर्थन नहीं किया।

अदालत ने यह भी पाया कि युवती के बयानों में विरोधाभास हैं और उसने मेडिकल जांच कराने से भी इनकार किया था। इन परिस्थितियों में अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य आरोपी के विरुद्ध आरोप सिद्ध करने के लिए पर्याप्त नहीं पाए गए। सभी तथ्यों के आधार पर अदालत ने निष्कर्ष निकाला कि अभियोजन पक्ष आरोप सिद्ध करने में विफल रहा है। परिणामस्वरूप युवक को आईपीसी की धारा 363 और 366 के तहत लगाए गए सभी आरोपों से बरी कर दिया गया व उसके जमानती बांड समाप्त कर दिए गए।

युवती ने अपने बयान में कहा कि वह घर से किसी काम से गई थी और कुछ समय बाद वापस आ गई थी व उसके साथ कोई गलत घटना नहीं हुई। उसने आरोपी की पहचान भी नहीं की और अपने पूर्व में दिए गए बयानों को दबाव में दिया गया बताया। इसी प्रकार शिकायतकर्ता पिता ने कहा कि उन्होंने कोई शिकायत नहीं दी थी और उनकी बेटी कभी लापता नहीं हुई थी।

युवक पर हमला कर हत्या के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद, यूटर्न/ 22 मार्च। डबुआ थाना इलाके में गली से जा रहे युवक संजीव पर हमला कर हत्या मामले में दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों में डबुआ कॉलोनी के रहने वाले राधे और सन्नी उर्फ नंदन शामिल हैं। इनसे पूछताछ के दौरान सामने आया कि मृतक संजीव डबुआ कॉलोनी में ही रहता था। मृतक ने आरोपी बादल की बहन के साथ बदतमीजी की थी। इसी के चलते बादल ने अपने साथी राधे, सन्नी व अन्य के साथ मिलकर संजीव के साथ मारपीट की और चोटें पहुंचाई। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि अपराध शाखा डीएलएफ की टीम आरोपियों को 4 दिन के रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। इनसे जानकारी जुटाकर बादल व अन्य आरोपियों की तलाश टीम कर रही है।

मामले में पुलिस को शिकायत यूपी के मैनपुरी निवासी पवन कुमार ने दी थी। शिकायत में बताया गया कि 4 मार्च को उसका छोटा भाई संजीव कुमार अपने एक दोस्त से मिलने के लिए जा रहा था। जब वह रतिराम मार्ग स्थित शुक्ला आटा चक्की के पास पहुंचा, तो वहां खड़े लड़के बादल, राधे, सन्नी, बिल्ला, करण व अन्य ने संजीव पर हमला कर दिया। आरोपियों ने संजीव को गंभीर रूप से घायल कर दिया और मौके से भाग गए। घटना की सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और उसे इलाज के लिए बीके अस्पताल ले जाया गया। वहां से उसे आगरा के अस्पताल में शिफ्ट कराया गया।

परिवहन सुविधा के नाम पर मनमानी वसूली कर रहे निजी स्कूल

» **फरीदाबाद, यूटर्न/ 22 मार्च।**

जिले के निजी स्कूल परिवहन सुविधा के नाम पर मनमानी वसूली कर रहे हैं। स्कूल बसों का किराया हर साल बढ़ाया जाता है। बढ़ी हुई फीस के चलते अभिभावक अब कैब जैसी सुविधाओं का सहारा लेने लगे हैं। अभिभावकों का कहना है कि स्कूल वालों ने इसके दाम तय कर रखे हैं। कम दूरी होने पर भी किराया कम नहीं होता है।

जिले के कई निजी स्कूलों ने बसों का किराया इस साल तीन से साढे तीन हजार रुपये तक कर दिया गया है। जबकि पिछले साल यह ढाई हजार रुपये तक था। इसमें छात्र के घर से स्कूल की दूरी भी नहीं देखी जा रही है। एक अभिभावक ने बताया कि उसकी बेटी का स्कूल घर से महज तीन किलोमीटर दूर है और उसकी बस किराया ढाई हजार रुपये महीना है।

वहीं एक अन्य अभिभावक ने बताया कि उसकी बेटी को स्कूल छोड़ने वाला कोई नहीं है।

इसलिए स्कूल बस लगवा रखी है। उन्होंने बताया कि घर से स्कूल की दूरी महज एक किलोमीटर है और उसकी बस का किराया दो हजार रुपये महीना है। यही हाल जिले के अन्य स्कूलों का है, जो कि अभिभावकों को परेशानी में डाल रहा है।

इसके अलावा कई स्कूल सीएनजी, पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने के नाम पर भी किराया बढ़ा देते हैं। एक अभिभावक ने बताया कि पिछले दो साल में बस का किराया 1600 रुपये से बढ़कर 2300 रुपये तक पहुंच गया है। निजी स्कूलों की इस मनमानी पर रोक लगाने वाला कोई नहीं है। अभिभावक इस खर्चे से बचने के लिए अब कैब का सहारा लेने लगे हैं।

रखरखाव और मरम्मत की लेते हैं फीस

निजी विद्यालयों के पास अभिभावकों से वसूली करने के कई तरीके हैं। स्कूल संचालक अभिभावकों से दाखिले के समय स्कूल के रखरखाव और मरम्मत के नाम पर भी फीस लेते हैं। वहीं कई विद्यालय सुरक्षा राशि के नाम पर ढाई से तीन हजार रुपये लेते हैं। अधिकतर अभिभावकों को इसकी जानकारी नहीं होती है।

अभिभावकों से बातचीत

स्कूल बसों का किराया काफी ज्यादा हो गया है। मैंने अपनी बेटी के लिए कैब लगवा रखी है, जिसका महीने का किराया 1800 रुपये है। - शुभम

जिस फिल्म के लिए मिला नेशनल अवॉर्ड, उसकी ही वजह से कंगना रनौत ने झेला था डिप्रेशन

बॉलीवुड की 'क्वीन' कंगना रनौत की गूंज आज सिनेमाई पर्दे से लेकर देश की संसद तक सुनाई देती है। एक बहुमुखी अभिनेत्री के साथ-साथ कंगना अब एक सजग सांसद की भूमिका भी निभा रही हैं। हिमाचल प्रदेश के एक छोटे से गांव से निकलकर मायानगरी मुंबई के शिखर तक पहुंचने का कंगना का सफर कड़े संघर्षों की कहानी है। बहुत कम लोग जानते हैं कि जिस फिल्म ने उन्हें पहला 'राष्ट्रीय पुरस्कार' दिलाया, उसी के फिल्मांकन के दौरान वे गहरे मानसिक तनाव और घुटन का शिकार हो गई थीं। आज, 23 मार्च को कंगना रनौत के जन्मदिन के अवसर पर, आइए जानते हैं उनकी फिल्म 'फैशन' से जुड़े कुछ अनसुने किस्से। कंगना फिल्म 'फैशन' करना नहीं चाहती थी क्योंकि फिल्म में उनका रोल बहुत छोटा था, हालांकि फिल्म में काम करना उनके लिए मजबूरी बन गया था।

गाने के हिंदी वर्जन की अश्लीलता का नहीं था अंदाजा: नोरा फतेही

बढ़ते विरोध के चलते आखिरकार मेकर्स ने पैन इंडिया फिल्म केडीः द डेविल के गाने 'सरके चुनर तेरी सरके' यूट्यूब से हटा दिया, लेकिन विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। गाने के बोल और डांस स्टेप्स को लेकर कई लोगों ने इसे अश्लील और आपत्तिजनक बताया। इसी बीच नोरा फतेही ने इस पूरे मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए अपनी बात सामने रखी है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर कहा कि उन्हें इस बात का बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि गाने का हिंदी वर्जन इतना भद्दा लगेगा। नोरा ने बताया कि उन्होंने यह गाना करीब तीन साल पहले कन्नड़ भाषा में शूट किया था। उस समय उन्होंने इसे इसलिए स्वीकार किया क्योंकि यह एक बड़े बजट की फिल्म थी और इसमें संजय दत्त जैसे बड़े अभिनेता शामिल थे। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें फिल्म के मेकर्स पर पूरा भरोसा था, इसी वजह से उन्होंने बिना किसी संदेह के इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी थी। उन्होंने वीडियो में कहा कि जब उन्होंने गाने का शूट किया था, तब उन्हें इसकी प्रस्तुति में कोई आपत्तिजनक बात महसूस नहीं हुई। लेकिन जब बाद में उन्होंने इसका हिंदी वर्जन देखा और सुना, तब उन्हें एहसास हुआ कि इसके बोल और प्रस्तुति बेहद भद्दे हैं। इसके बाद उन्होंने खुद को इस विवाद से अलग करते हुए साफ किया कि वह इस तरह की किसी भी चीज का समर्थन नहीं करती हैं। वीडियो के साथ साझा किए गए अपने संदेश में नोरा ने उन लोगों का धन्यवाद किया, जिन्होंने इस गाने का विरोध किया। उनका कहना है कि जनता के दबाव की वजह से ही मेकर्स को आखिरकार यह गाना हटाना पड़ा। उन्होंने लोगों से अपील भी की कि वे इस गाने को आगे शेयर न करें, क्योंकि इससे उसे और ज्यादा प्लेटफॉर्म मिल रहा है। साथ ही, नोरा ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि कुछ लोग इस विवाद का इस्तेमाल उनके चरित्र पर सवाल उठाने के लिए कर रहे हैं। उन्होंने इसे बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि किसी कलाकार को बिना पूरी जानकारी के जज करना ठीक नहीं है।

फिल्म फॉरेस्ट रेंजर की जोरदार तैयारी में जुटी कृष्णा गौतम

अपनी आने वाली फिल्म फॉरेस्ट रेंजर के लिए एक्ट्रेस कृष्णा गौतम जोरदार तैयारी में जुटी हुई हैं। यह फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन चरण में है। अपने किरदार को पूरी तरह वास्तविक और प्रभावशाली बनाने के लिए अभिनेत्री इन दिनों कड़ी ट्रेनिंग ले रही हैं और खास तौर पर मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) सीख रही हैं। जानकारी के अनुसार, कृष्णा गौतम अपने एक्शन अवतार को विश्वसनीय बनाने के लिए लंबे समय तक ट्रेनिंग सेशन्स में हिस्सा ले रही हैं। इन सत्रों में वह अपनी ताकत, फुर्ती और कॉम्बैट तकनीकों को बेहतर बनाने पर खास ध्यान दे रही हैं। इस कठोर अभ्यास से साफ झलकता है कि वह अपने किरदार को पर्दे पर पूरी मजबूती और वास्तविकता के साथ प्रस्तुत करना चाहती हैं।

:अभिनेत्री अपनी एमएमए ट्रेनिंग की झलकियां समय-समय पर सोशल मीडिया पर भी साझा कर रही हैं। इन वीडियोज और तस्वीरों के जरिए उनके प्रशंसकों को यह देखने का मौका मिल रहा है कि किसी एक्शन आधारित किरदार को निभाने के लिए कलाकारों को कितनी मेहनत और तैयारी करनी पड़ती है। उनके ट्रेनिंग सेशन्स में हाई-इंटेंसिटी वर्कआउट, फाइटिंग मूव्स और स्टैमिना बढ़ाने वाले अभ्यास शामिल हैं। कृष्णा गौतम को अपने किरदारों के साथ नए-नए प्रयोग करने के लिए जाना जाता है। इसी कड़ी में 'फॉरेस्ट रेंजर' उनके करियर का एक अलग और चुनौतीपूर्ण प्रोजेक्ट माना जा रहा है। इस फिल्म के जरिए वह पहली बार पूरी तरह एक्शन जॉनर को एक्सप्लोर करती नजर आएंगी। फिल्म में तेज रफ्तार एक्शन और रोमांचक घटनाओं की भरमार होने की उम्मीद है, जिसके लिए अभिनेत्री का नया ट्रांसफॉर्मेशन पहले ही दर्शकों और फिल्म इंडस्ट्री के लोगों के बीच उत्सुकता पैदा कर चुका है। फिल्म के निमार्ताओं की योजना इसे वर्ष 2027 में रिलीज करने की है। हालांकि अभी फिल्म से जुड़ी कई अन्य जानकारियां सामने आना बाकी हैं, लेकिन प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा अभी से तेज हो गई है। दर्शक भी कृष्णा गौतम को इस नए और दमदार अवतार में बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित नजर आ रहे हैं।

वही काम चुनती हूं जो दिल को खुशी दे: दिव्या दत्ता

अपने लंबे फिल्मी करियर में अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने कई यादगार भूमिकाएं निभाकर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। तीन दशक से अधिक लंबे अपने फिल्मी सफर को याद करते हुए उन्होंने कहा कि वह हमेशा वही काम चुनती हैं, जिसमें उन्हें सच्ची खुशी मिलती है। दिव्या का मानना है कि अभिनय सिर्फ पेशा नहीं, बल्कि एक ऐसा अनुभव है जिसे पूरी तरह जीना जरूरी है। उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसे किरदार निभाना पसंद है, जिनसे उनका भावनात्मक जुड़ाव हो सके। उनके अनुसार, वह ऐसे सेट पर काम करना चाहती हैं जहां माहौल सकारात्मक हो, जहां वह खुलकर मुस्करा सकें, हंस सकें और अपने किरदार में पूरी तरह ढल सकें। उनके लिए यह भी अहम है कि उनके काम को सराहा जाए और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा मिले। अपने करियर में दिव्या दत्ता ने विभिन्न भाषाओं और शैलियों में काम किया है। हिंदी फिल्मों के अलावा उन्होंने पंजाबी, अंग्रेजी, मलयालम और तेलुगु सिनेमा में भी अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया है। उनका कहना है कि इतने लंबे समय तक इंडस्ट्री में टिके रहना आसान नहीं होता, लेकिन दर्शकों का प्यार उन्हें लगातार आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहा है। उन्होंने अपने और दर्शकों के रिश्ते को अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि बताया। दिव्या के मुताबिक, जहां भी वह जाती हैं, लोग उन्हें अपने परिवार का हिस्सा मानते हैं। लोग उन्हें अपनापन देते हैं और यही किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ा सम्मान होता है। उनके लिए यही प्यार और जुड़ाव उनके करियर की सबसे बड़ी कमाई है। दिव्या ने यह भी कहा कि उनका सफर लगातार खुद को नए सिरे से खोजने और कुछ नया करने का रहा है। वह मानती हैं कि अगर कलाकार एक ही तरह के किरदारों में सीमित हो जाए, तो रचनात्मकता खत्म हो जाती है। इसलिए वह अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलकर अलग-अलग भूमिकाएं निभाने में विश्वास रखती हैं, ताकि दर्शकों को हर बार कुछ नया देखने को मिले। जिंदगी को लेकर भी दिव्या का नजरिया बेहद दिलचस्प है। वह इसे ईसीजी रिपोर्ट की तरह देखती हैं, जिसमें उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक है। उनके अनुसार, हर पल को खुलकर जीना, उससे सीख लेना और आगे बढ़ते रहना ही असली मायने रखता है।

वार्न सहित ये क्रिकेटर अपने करियर में नहीं बना पाये कोई शतक

» सिडनी, यूटर्न/ 22 मार्च।

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर शेन वार्न एक गेंदबाज होने के साथ ही निचले क्रम पर अच्छी बल्लेबाजी भी करते थे पर अपने करियर में वह एक भी टेस्ट शतक नहीं लगा पाये। एक बार वह शतक के बेहद करीब आ गये थे पर लगा नहीं पाये और 99 रनों पर आउट हो गये। वार्न सहित पांच क्रिकेटर ऐसे हैं जो अपने करियर में काफी रन बनाने के बाद भी शतक नहीं लगा पाये। इनमें श्रीलंका के निराशन डिकवेला, मिचेल स्टार्क, न्यूजीलैंड के टिम साउदी और भारत के चेतन चौहान है।

वॉर्न को दुनिया के महानतम लेग-स्पिनर के रूप में जाना जाता है पर वह निचले क्रम के एक बेहद उपयोगी और आक्रामक बल्लेबाज भी रहे थे। इस बात का पता इससे चलता है कि वॉर्न ने अपने करियर में 145 टेस्ट मैचों में 12 अर्धशतक लगाकर 3154 रन बनाये हैं हालांकि वह एक बार भी शतक पूरा नहीं कर पाये। विश्व का कोई दूसरा स्पिनर इतने रन नहीं बना पाया है। वॉर्न साल 2001 में न्यूजीलैंड के खिलाफ पर्थ टेस्ट में शतक के बेहद करीब पहुंचे थे। तब वॉर्न ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए 99 रन बना लिए थे पर डेनियल विटोरी की गेंद पर एक बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में कैच हो गये थे। बाद में रिप्ले में देखा गया कि वह गेंद 'नो-बॉल' थी, लेकिन उस समय तकनीक अच्छी न होने से वॉर्न को रिव्यू नहीं मिला। वॉर्न उस पारी में ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। आठवें नंबर पर खेली वॉर्न की इस पारी से टीम हार से बच गयी थी।

टेस्ट में बिना शतक सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 5 बल्लेबाजों में दूसरे नंबर पर श्रीलंका के निरोशन डिकवेला हैं। डिकवेला ने अपने करियर में 2757 रन बनाये हैं और उनका सबसे अधिक स्कोर 96 रन रहा है।

आईपीएल में अब तक विकेटकीपर के तौर पर संगकारा का रिकार्ड बरकरार

» मुम्बई, यूटर्न/ 22 मार्च।

इस माह के अंत में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19 सत्र शुरू होगा। जिससे भी नये-नये रिकार्ड बनेंगे। अब तक हुए सत्रों में कई ऐसे रिकार्ड बने हैं जो अब तक कोई नहीं तोड़ पाया है। अब देखना है कि वह रिकार्ड इस सत्र में टूटता है या नहीं ये रिकार्ड है। विकेट के पीछे पांच शिकार करन का जो श्रीलंका के दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार संगकारा के नाम है। यहां तक कि महेन्द्र सिंह धोनी भी इस रिकार्ड तक नहीं पहुंच पाये हैं। संगकारा ने आईपीएल के चौथे सत्र में ये रिकार्ड बनाया था। तब साल 2011 में डेक्कन चार्जर्स का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से था। वहीं डेक्कन चार्जर्स की कप्तानी और विकेटकीपिंग कुमार संगाकारा कर रहे थे। उस मैच में संगकारा ने विकेटों के पीछे से एक के बाद एक बेहतरीन कैच लेकर रिकॉर्ड बना दिया। उन्होंने 5 कैच लिए। संगाकारा के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी अहम है, क्योंकि उन्होंने तिलकरत्ने दिलशान, विराट कोहली और एबी डीविलियर्स जैसे दिग्गजों के खिलाफ ये रिकार्ड बनाया था। चेन्नई सुपरकिंग्स के विकेटकीपर धोनी को दुनिया का सबसे तेज विकेटकीपर माना जाता है, जिनके नाम 0.08 सेकंड में स्टंपिंग करने का विश्व रिकॉर्ड है। धोनी ने आईपीएल करियर में कई बार एक मैच में 4 खिलाड़ियों को पेवेलियन भेजा है पर पांच शिकार उन्होंने नहीं किये हैं।

संगाकारा ने तिलकरत्ने दिलशान, एबी डिविलियर्स, सौरभ तिवारी, जोहान वैन डेर वाथ और रायन निनन के विकेट लिए। संगाकारा की बेहतरीन विकेटकीपिंग के कारण चार्जर्स ने मुकाबला 33 रन से जीता। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2011 के 11वें मुकाबले में डेक्कन चार्जर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 175 रन बनाए थे। भरत चिप्ली ने 35 गेंदों में नाबाद 61 रन की पारी खेली। उनके अलावा सनी सोहेल ने 38 रन और कुमार संगाकारा ने 36 रन का बनाये। जेपी ड्यूमिनी ने 22 रन बनाए।

अजरबैजान सीमा पर फंसे जम्मू-कश्मीर के छात्रों के परिजनों ने लगाई गुहार, केंद्र से मांगी मदद

» **श्रीनगर, यूटर्न/ 22 मार्च।**

जम्मू-कश्मीर के 200 से अधिक छात्र अजरबैजान सीमा पर फंसे हुए हैं, जिसके चलते उनके परिजन बेहद चिंतित हैं और केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। परिजनों का कहना है कि उनके बच्चे गंभीर आर्थिक और स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं और उन्हें सुरक्षित भारत वापस लाने के लिए सरकार को जल्द कदम उठाने चाहिए।

परिजनों के मुताबिक, ये छात्र ईरान के इस्फहान और गोलिस्तान प्रांतों में पढ़ाई कर रहे थे। वर्तमान हालात के बीच ये छात्र अपने देश लौटने की कोशिश में ईरान-आर्मेनिया सीमा पार कर चुके हैं, जो वापसी की दिशा में पहला अहम कदम था।

हालांकि, परिजनों का आरोप है कि छात्रों को अपनी यात्रा का पूरा इंतजाम खुद ही करना पड़ रहा है, जिससे पहले से परेशान परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। एक अभिभावक ने कहा, 'हम सारे खर्च खुद उठा रहे हैं। ऐसे समय में सरकार को कम से कम उनके लौटने की व्यवस्था करनी चाहिए।' जानकारी के अनुसार, 20 मार्च से 25 मार्च के बीच कई बैच में छात्रों की वापसी की उम्मीद थी, जिनमें शिराज यूनिवर्सिटी के छात्र भी शामिल हैं। वहीं, केर्मन से भारतीय इंजीनियरिंग छात्र भी ईरान-आर्मेनिया सीमा तक पहुंच चुके हैं और वीजा क्लीयरेंस का इंतजार कर रहे हैं।

सबसे गंभीर स्थिति अजरबैजान सीमा पर बनी हुई है, जहां 100 से अधिक भारतीय छात्र प्रक्रिया में देरी के कारण फंसे हुए हैं। परिजनों के अनुसार रोजाना केवल 6 से 10 छात्रों को ही एग्जिट कोड मिल रहा है, जिससे पूरी प्रक्रिया बेहद धीमी हो गई है।

कई छात्र 12 मार्च से ही सीमा पर फंसे हैं, जिसके कारण उनकी फ्लाइट्स छूट गईं और उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। परिजनों का दावा है कि करीब 250 कश्मीरी छात्र अभी भी अजरबैजान सीमा पर फंसे हुए हैं, जिनमें से कई को सीने में संक्रमण और फ्लू जैसे लक्षण हो रहे हैं, जबकि वहां पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। पिछले 24 घंटों में 151 भारतीय छात्र ईरान-अजरबैजान सीमा पार करने में सफल रहे हैं। 14, 18, 19 और 20 मार्च की फ्लाइट बुकिंग वाले कुछ छात्रों को जाने की अनुमति मिल गई है, लेकिन 15, 16 और 17 मार्च की बुकिंग वाले छात्र अब भी फंसे हुए हैं।

हालांकि कुछ प्रगति हुई है लेकिन स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। सैकड़ों छात्र अलग-अलग सीमाओं पर फंसे हैं और आर्थिक, स्वास्थ्य और अनिश्चितता के संकट से जूझ रहे हैं।

इस बीच, परिजन सरकार से लगातार अपील कर रहे हैं कि उनके बच्चों को सुरक्षित घर वापस लाने के लिए जल्द और प्रभावी कदम उठाए जाएं। बताया जा रहा है कि 28 फरवरी को मौजूदा संघर्ष शुरू होने के समय ईरान में 1,200 से अधिक कश्मीरी छात्र पढ़ाई कर रहे थे। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह ईरानी अधिकारियों के संपर्क में है, ताकि सभी भारतीय छात्रों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जा सके।

ईरान ने क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचा बनाने का प्रस्ताव रखा, युद्ध खत्म करने के लिए दोहराई शर्तें

» **तेहरान, यूटर्न/ 22 मार्च।**

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने पश्चिम एशिया में बिना किसी विदेशी दखल के शांति, सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्र के देशों को मिलाकर एक सुरक्षा ढांचा बनाने का प्रस्ताव रखा। इसके साथ ही उन्होंने चल रहे युद्ध को खत्म करने की शर्तें दोहराईं।

ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी आईआरएनए के हवाले से न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक फोन कॉल में यह बात कही, जिसमें दोनों पक्षों ने आपसी संबंधों के साथ-साथ ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद हुए नए क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर भी चर्चा की। रिपोर्ट में कहा गया है कि पेजेश्कियन ने कहा कि युद्ध खत्म करने के लिए ईरान की पहली शर्त अमेरिका और इजरायल के हमलों को तुरंत रोकना और यह गारंटी देना है कि भविष्य में ऐसे हमले दोबारा नहीं होंगे।

उन्होंने ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई, बड़े सैन्य कमांडरों और आम लोगों की हत्या करने और देश के पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाने के लिए अमेरिका और इजरायल की कड़ी निंदा की। बीते दिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि युद्ध का मकसद देश को न्यूक्लियर हथियार बनाने से रोकना है। हालांकि, पेजेश्कियन ने अमेरिकी राष्ट्रपति के दावों को खारिज कर और इस बात पर जोर दिया कि ईरान के पूर्व नेता परमाणु हथियार बनाने के सख्त खिलाफ थे और उन्होंने इस तरह की किसी भी कोशिश को रोकने के लिए जरूरी आदेश जारी किए थे। वहीं इस बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव पर 'गहरी चिंता' जताई, इलाके के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर किसी भी हमले की कड़ी निंदा की और होर्मुज स्ट्रेट में सुरक्षा और खाड़ी में नेविगेशन की आजादी सुनिश्चित करने की अपील की।

ईरान का इजरायल के अराद-डिमोना पर बड़ा मिसाइल हमला, 100 से ज्यादा घायल

» **तेल अवीव, यूटर्न/ 22 मार्च।**

इजरायल के दक्षिणी शहरों में न्यूक्लियर सिटी डिमोना के साथ अराद में ईरान ने बड़ा मिसाइल अटैक किया है। शनिवार को दक्षिणी शहरों डिमोना और अराद में ईरानी हमलों में 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। घायलों में से 11 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। इजरायली मीडिया के अनुसार, ईरान की ओर से किए गए ताबड़तोड़ हमले में इजरायली एयर डिफेंस कम से कम दो बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने में नाकाम रहा। हमलों के बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और इजरायल डिफेंस फोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर ने इजरायल के दुश्मनों से सभी मोर्चों पर लड़ते रहने का वादा किया। इजरायली मीडिया टाइम्स ऑफ इजरायल के अनुसार, दक्षिण में हुए हमलों में गंभीर रूप से घायल लोगों में डिमोना में हुए हमले के कारण छर्रे लगने से घायल एक 12 साल का लड़का और अराद में हुए अगले हमले में घायल एक 5 साल की लड़की शामिल हैं। शनिवार को डिमोना इलाके में ईरान ने कई हमले किए। वहीं ईरान की सरकारी मीडिया ने कहा कि ये हमले इजरायल की न्यूक्लियर रिसर्च फैसिलिटी को टारगेट कर रहे थे, जो डिमोना से लगभग 10 किलोमीटर (छह मील) और अराद से 30 किलोमीटर (18.5 मील) दूर है। अमेरिका और इजरायल शुरू से ही ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए हमले कर रहे हैं। ऐसे में इजरायल के परमाणु केंद्रों पर ताजा मिसाइल हमले को ईरान की तरफ से बदले के रूप में देखा जा रहा है। शिमोन पेरेस नेगेव न्यूक्लियर रिसर्च सेंटर को इजरायल के लंबे समय से संदेह वाले परमाणु हथियार कार्यक्रम के लिए अहम माना जाता है, जिसके होने की बात यरूशलम पॉलिसी के तौर पर न तो पुष्टि करती है और न ही मना करती है।

जी7 ने खाड़ी देशों पर ईरान के हमलों की निंदा की, कहा- 'इससे वैश्विक सुरक्षा को खतरा है'

» **वॉशिंगटन, यूटर्न/ 22 मार्च।**

जी7 देशों ने रविवार को मिडिल ईस्ट के कई देशों में आम लोगों और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर पर ईरान के हमलों की कड़ी निंदा की। साथ ही, जी7 देशों ने पश्चिम एशिया के उन सभी देशों के लिए अपना समर्थन जताया है जो ईरान की ओर से किए जा रहे हमलों का शिकार हो रहे हैं। पश्चिम एशिया के देशों में ईरानी हमले को जी7 समूह ने गलत बताया।

एक संयुक्त बयान में, जी7 के विदेश मंत्रियों ने यूरोपीय यूनियन के हाई रिप्रेजेंटेटिव के साथ मिलकर, इस बढ़ते तनाव से प्रभावित देशों के साथ एकजुटता दिखाई। ईरानी हमले की आलोचना करने वाले देशों में कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं।

बयान में कहा गया है कि जी7 समूह ईरान और उसके प्रॉक्सी के गलत हमलों के सामने इस इलाके में अपने साझेदारों का समर्थन करता है।

बयान में कहा गया, 'हम यूएनएससी प्रस्ताव 2817 के मुताबिक, बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन और इराक में आम लोगों और आम इंफ्रास्ट्रक्चर, जिसमें एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर भी शामिल है, पर सरकार के बिना सोचे-समझे किए गए हमलों की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं।' जी7 देशों ने चेतावनी दी कि ईरान की हरकतें न सिर्फ टारगेट किए गए देशों को खतरे में डालती हैं, बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा पैदा करती हैं। उन्होंने तेहरान से अपनी सैन्य गतिविधि तुरंत रोकने को कहा।

बयान में कहा गया, 'ये क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा हैं,' और ऐसे सभी हमलों को 'तुरंत और बिना किसी शर्त के रोकने' की अपील की गई। इस समूह ने खास समुद्री रास्तों और वैश्विक सप्लाई चेन, खासकर रणनीतिक रूप से अहम होर्मुज स्ट्रेट में सुरक्षा सुनिश्चित करने की अहमियत पर भी जोर दिया।

बयान में कहा गया, 'हम समुद्री रास्तों और नेविगेशन की सुरक्षा, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट और उससे जुड़े सभी अहम पानी के रास्ते शामिल हैं, के साथ-साथ सप्लाई चेन की सुरक्षा और एनर्जी मार्केट की स्थिरता की अहमियत को फिर से सुनिश्चित करते हैं। हम एनर्जी की ग्लोबल सप्लाई का समर्थन करने के लिए जरूरी कदम उठाने के लिए तैयार हैं, जैसे 11 मार्च को अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के सदस्य देशों द्वारा तय किया गया स्टॉक जारी करने का निर्णय।' पुरानी चिंताओं को दोहराते हुए, जी7 ने कहा कि ईरान को कभी भी न्यूक्लियर हथियार हासिल नहीं करना चाहिए।

इसके अलावा, उन्होंने ईरान से अपना बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम रोकने, इलाके और उससे आगे अपनी अस्थिर करने वाली गतिविधियों को खत्म करने और अपने ही लोगों के खिलाफ भयानक हिंसा और दमन बंद करने की अपील की।

गोदाम भरने में जुटा ईरान, होर्मुज से गुजरे छह जहाज अब लंबे युद्ध की तैयारी कर रहा तेहरान?

» **तेहरान, यूटर्न/ 22 मार्च।**

अमेरिका और इजरायल के साथ जारी सैन्य संघर्ष के बीच ईरान ने अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव किया है। सामरिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (होर्मुज जलडमरूमध्य) पर सख्त नाकेबंदी के बावजूद ईरान ने अब कुछ चुनिंदा कार्गो जहाजों को वहां से गुजरने की अनुमति दे दी है। इन जहाजों पर मुख्य रूप से खाद्यान्न और अन्य महत्वपूर्ण कृषि उत्पाद लदे हुए हैं। इस कदम को ईरान की उस दूरगामी रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है, जिसका उद्देश्य युद्ध लंबा खिंचने की स्थिति में देश के भीतर भुखमरी जैसे संकट को रोकना और घरेलू खाद्य आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित रखना है।

28 फरवरी को संघर्ष शुरू होने के बाद से होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही लगभग ठप थी। विशेष रूप से पश्चिमी देशों के जहाजों के लिए यह रास्ता पूरी तरह बंद है। हालांकि, मरीन ट्रैकिंग डेटा के हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि 15 और 16 मार्च के बीच कम से कम छह जहाज इस जलमार्ग से गुजरे हैं। इन सभी जहाजों ने उत्तरी खाड़ी के प्रमुख वाणिज्यिक केंद्र, ईरान के इमाम खुमैनी बंदरगाह पर अपना माल उतारा। इनमें ग्रीक मैनेजमेंट की निगरानी वाला एक जहाज गियाकोमेटी भी शामिल है, जो कनाडाई सोयाबीन लेकर पहुंचा है।

बांग्लादेश में दर्दनाक हादसा: ट्रेन की बस से टक्कर में 12 लोगों की मौत, 20 घायल

» **ढाका, यूटर्न/ 22 मार्च।**

बांग्लादेश में एक बड़ी दुर्घटना में रविवार सुबह कोमिला में पडुआ बाजार लेवल क्रॉसिंग पर एक मेल ट्रेन और बस की भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। टक्कर इतनी भयानक थी कि बस के परखच्चे उड़ गए। कोमिला सदर साउथ पुलिस स्टेशन के तहत ईपीजेड चौकी के सब-इंस्पेक्टर (एसआई) सैफुल इस्लाम ने बताया कि मरने वालों में सात पुरुष, तीन महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। बांग्लादेशी मीडिया द डेली स्टार ने बताया कि घटना रविवार सुबह करीब 2:45 बजे कुमिला सदर दक्षिण उपजिला के पडुआर बाजार लेवल क्रॉसिंग पर हुई। पुलिस और स्थानीय गवाहों के अनुसार, ट्रेन 'मामून स्पेशल' (मामून परिवहन) बस को जंगल्या-कचुआ क्षेत्र में लगभग आधा किलोमीटर उत्तर तक घसीटती हुई ले गई। अधिकारियों ने बताया कि हादसे के वक्त क्रॉसिंग पर कोई गेटमैन मौजूद नहीं था। द डेली स्टार के अनुसार, सब-इंस्पेक्टर सैफुल इस्लाम ने कहा कि पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। अस्पताल के सूत्रों ने बाद में पुष्टि की कि मरने वालों की संख्या बढ़कर 12 हो गई, जिनमें सात पुरुष, तीन महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं।

शुरू में, 18 घायल यात्रियों को अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से आठ अभी भी भर्ती हैं। सुबह 8:15 बजे तक, ट्रेन एक्सीडेंट वाली जगह पर खड़ी थी और बस उसके आगे फंसी हुई थी। पुलिस, हाईवे पुलिस और फायर सर्विस के लोगों ने घायल यात्रियों को बचाया और उन्हें हॉस्पिटल ले गए। बांग्लादेशी मीडिया ने पूर्वी जोन के जनरल मैनेजर के हवाले से बताया कि बांग्लादेश रेलवे ने घटना की जांच के लिए दो जांच कमेटियां बनाई हैं, एक डिविजनल और एक रीजनल। इस बीच, पडुआर बाजार क्रॉसिंग के दो गेटमैन, मेहदी हसन और हेलाल उद्दीन को कुछ समय के लिए सस्पेंड कर दिया गया है। द डेली स्टार के अनुसार, बस चपैनवाबगंज से लक्ष्मीपुर जा रही थी। घटना के बाद से चटगांव और कुमिला रेलवे स्टेशन के बीच रेल कम्युनिकेशन सस्पेंड कर दिया गया है.

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *